सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास केवल नारा नहीं, भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में शौर्य फाउंडेशन ने किया शौर्यगाथा कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। देश की असली ताकत उसकी एकता और विविधता में निहित है, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा, सांस्कृतिक समृद्धि और युवाशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उपरोक्त कथन कहे देश के पूर्व राजनयिक डॉ. दीपक वोहरा ने। रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में शनिवार को शौर्यगाथा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। वीरता, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की अमिट गाथाओं को सहेजते हुए शौर्य सम्मान समारोह का आयोजन शौर्य फाउंडेशन द्वारा संयोजित किया गया, जिसमें देश की रक्षा में अद्वितीय योगदान देने वाले वीर रणबांकुरों को नमन किया गया। समारोह में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सहित सेना और समाज के अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति रही।

पुनर्जन्म का अवसर मिले, तो फिर से भारत की सेवा करना चाहूंगा

डॉ. दीपक ने कहा कि यदि मुझे पुनर्जन्म का अवसर मिले, तो मैं फिर से भारत की सेवा करना चाहूंगा और यदि मेरा जन्म भोपाल में हो तो यह मेरा इस शहर और देश के प्रति गहरे लगाव को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का भारत अवसरों का देश है, जहां हर युवा अपने संकल्प और परिश्रम से राष्ट्र निर्माण में भागीदार बन सकता है।

रवींद्र भवन शौर्य गाथा कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते वक्ता।

शहीद मेजर पद्मपानी अचार्य का सम्मान ग्रहण करती उनकी धर्मपत्नी चारुलता आचार्य।

मार्शल बैंड की जोशीली धुनों से हुई शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत आईटीबीपी के सैनिकों द्वारा प्रस्तुत मार्शल बैंड की जोशीली धुनों से हुई, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। इसके पश्चात शहीद मेजर पद्मपानी आचार्य और लेफ्टिनेंट दिनेश के शौर्य को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया गया।

एकजुटता और राष्ट्रीय गौरव पर जोर

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने वर्तमान समय को चुनौतीपूर्ण बताते हुए राष्ट्रीय एकता और सजगता की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, (सेवानिवृत्त) मेजर जनरल शरद श्रीवास्तव ने युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कठिनतम परिस्थितियों में भी आचार्य ने कर्तव्य को रखा सर्वोपरि

समारोह का विशेष आकर्षण रहा लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज कुमार सिन्हा द्वारा प्रस्तुत शहीद मेजर पद्मपानी आचार्य की प्रेरणादायक जीवन गाथा। प्रभावी वक्तव्य और दृश्य-प्रस्तुति के माध्यम से आचार्य के अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को सजीव कर दिया। उन्होंने कठिनतम परिस्थितियों में भी आचार्य ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और दुश्मनों के सामने अडिग रहकर वीरता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति न केवल भावनात्मक थी, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत भी बनी।

रविंद्र भवन में कलाज्ञ आर्ट एग्जीबिशन में नजर आया रंग, टेक्सचर और परंपरा का अद्भुत संगम

सीमेंट के प्रयोग से बना 3डी टेक्सचर फार्म में मोर तो स्टोन और ज्वेलरी से सजी गणेश प्रतिमा

प्रदेशभर के करीब 70 कलाकारों ने अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से कला का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविंद्र भवन की ललित कला आर्ट गैलरी में शनिवार शाम कलाज्ञ आर्ट एग्जीबिशन के रूप में सजी दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी ने कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदेशभर के करीब 70 कलाकारों ने अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से कला के विविध आयामों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी में कलाकार जया भागरी की कृतियों ने विशेष आकर्षण बटोरा। उन्होंने मिक्स मीडिया के माध्यम से गणेश प्रतिमा को स्टोन वर्क और ज्वेलरी के प्रयोग से सजीव रूप दिया, जिससे गणपति की आभा और भी निखर उठी। वहीं दूसरी ओर, व्हाइट सीमेंट को स्पून की सहायता से टेक्सचर फॉर्म में ढालते हुए मोर की आकृति को थ्री-डी प्रभाव में प्रस्तुत किया, जो उनकी रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

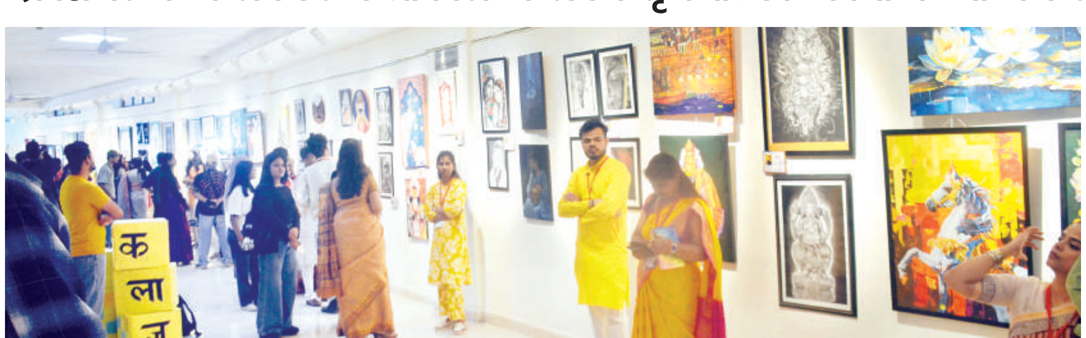

रविंद्र भवन की ललित कला आर्ट गैलरी में लगी चित्रकला प्रदर्शनी को देखते लोग।

तिब्बती आर्ट को सजाया फ्यूजन शैली में

प्रमोत्वा जौहरी ने अपने तीन आर्टवर्क में फ्यूजन शैली के जरिए पर्शियन और तिब्बती कला का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत किया। एक ओर जहां उन्होंने ब्लू टोन में तिब्बती आर्ट को उकेरा, वहीं दूसरी ओर गो माता और बछड़े को भव्य द्वार पर दर्शाकर भारतीय संस्कृति और आस्था को प्रभावी रूप से सामने रखा।

सैकड़ों डॉट्स से बना पारंपरिक मांडना आर्ट

कलाकार तनुषा जैन की पेंटिंग्स में परंपरा और आधुनिकता का खूबसूरत मेल देखने को मिला। उन्होंने मालवा के पारंपरिक मांडना आर्ट को सैकड़ों डॉट्स और रंग-बिरंगे फॉर्म्स के साथ एक नए अंदाज में प्रस्तुत किया। उनकी दूसरी कृति में लिप्पन आर्ट के माध्यम से मां सरस्वती को आकर्षक रूप में उकेरा गया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया।

लिप्पन आर्ट में उकेरा त्रिभुज और वृत्ताकार आकृतियां

सौम्या मंगलावत की लिप्पन आर्ट से सजी पेंटिंग्स भी आकर्षण का केंद्र रहीं। उन्होंने व्हाइट और रेड रंगों के संयोजन से वर्ली आर्ट को त्रिभुज और वृत्ताकार आकृतियों में प्रस्तुत किया, वहीं व्हाइट और ब्लू के मेल से लिप्पन आर्ट को आधुनिक स्पर्श देते हुए दर्शकों के सामने रखा।

फिल्लौरी' से 'केसरी' तक, सिंगर रोमी ने साझा की अपनी म्यूजिकल जर्नी

भाग्यशाली हूं कि पहला डेब्यू दिलजीत दोसांझ के साथ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मैं खुद को बड़ा भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे पहला प्रोजेक्ट 2017 में फिल्म 'फिल्लौरी' में दिलजीत दोसांझ के साथ गाने का मौका मिला और यहीं से बॉलीवुड में मेरा डेब्यू हुआ, इसके बाद उरीः सर्जिकल स्ट्राइक, बधाई हो, शून्य या जीरो, वीरे दी वेडिंग, केसरी, मिशन मंगल सहित दर्जनों हिट फिल्मों में अपनी आवाज देकर मुझे इंडस्ट्री में नाम और पहचान मिली। यूं कह सकते है कि मेरे कॅरियर की शुरुआत के तीसरे साल में ही मैंने इंडस्टी में खुद को स्थापित कर लिया था। यह कहना है प्रसिद्ध पंजाबी सिंगर रोमी का, जो शनिवार को एक निजी कॉलेज में म्यूजिलक कंसर्ट में लाइव परफार्मेंस देने भोपाल आए और हरिभूमि से बातचीत में उन्होंने अपने जीवन से जुड़े हुए अनुभव साझा किए।

मैं भीतर से रियाज करता रहता हूं

रोमी ने कहा कि लाइव शो और डीजे नाइट में गा गाकर में इनका आदी हो चुका हूं, जिसमें कई बार मुझे रियाज करने तक का मौका नहीं मिलता, क्योंकि एक शहर से दूसरे शहर में ट्रेवल करना और उसे वातावरण में सरवाइव करना ही अपने आप में मुश्किल होता है, लेकिन मैं अपने मन से खुद को बिल्कुल फोकस रखता हूं कि मुझे क्या गाना है, किस अंदाज में गाना है या यूं कह सकते हैं कि यह रियाज मेरे अंदर ही चलता रहता है।

स्टेट लेवल क्रिकेटर रह चुका हूं, लेकिन मेरी किस्मत में गायकी ही लिखी थी

रोमी ने कहा कि मुझे गाने का कोई ज्यादा शौक नहीं था, लेकिन मेरे सिंगर पिता और भरतनाट्यम नृत्यांगना मां चाहती थीं कि मैं सिंगिंग की ही दुनिया में जाऊं, जबकि मैं बचपन में क्रिकेटर बनना चाहता था और बहुत क्रिकेट खेलता था। यहां तक की मेरा सिलेक्शन स्टेट लेवल की टीम में भी हो गया था, लेकिन फिर मुझे बाद में लगा कि यह खेल मेरे लिए नहीं है और मैं अपनी जर्नी संगीत के दिशा में मोड़ दी।

फैंस के कमेंट्स मुझे मोटिवेट करते है कुछ अच्छा करने के लिए

अपने हजारों फैंस के लिए उन्होंने कहा कि मैं अपने फैंस का शुक्रगुजार हूं जो मुझे इतना प्यार करते हैं और मेरे इंस्टा अकाउंट पर इतने अच्छे कमेंट भेजते हैं, कभी-कभी जब मैं लो फील करता हूं तो अपने पुराने कमेंट्स पढ़ लेता हूं जो मुझे फिर से मोटिवेट करते हैं और कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

बीएसएसएस में 'सायोनारा' फेयरवेल 2026 में सीनियर्स को दी विदाई

मिस्टर फेयरवेल बने शुभ गोहर और मिस फेयरवेल का ताज मिला इशिका रानी को

फेयरवेल 2026 'सायोनारा' समारोह में शामिल विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस में शनिवार को फेयरवेल 2026 'सायोनारा' का भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया।

मैनेजमेंट विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह ने विदाई को उत्सव में बदलते हुए छात्रों की उपलब्धियों और यादों को खूबसूरती से संजोया। कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि पूर्णिमा सनमोरिया (मिस सेंट्रल इंडिया) ने बढ़ाई, जिनकी प्रेरणादायक उपस्थिति ने समारोह में विशेष गरिमा जोड़ी। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर मुमताज खान, पूर्व मिसेज इंडिया अपेक्षा श्रीवास्तव और मिसेज इंडिया 2025 रनरअप आयुषी सिंह शामिल रहीं। सभी निर्णायकों ने रैंप पर छात्रों के प्रदर्शन का सूक्ष्म मूल्यांकन करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और फैशन शो ने समां बांधा

समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भावनात्मक अभिव्यक्तियों और मनोरंजक गतिविधियों का शानदार संगम देखने को मिला, जिसने छात्रों की रचनात्मकता और आपसी सौहार्द्र को उजागर किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न लोक नृत्य, सांस्कृतिक गतिविधियों, नियमितता, अनुशासन तथा सह-पाठ्यक्रम व पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विभागों द्वारा उपाधियां प्रदान करना रहा। इस अवसर पर मिस्टर फेयरवेल का खिताब शुभ गोहर को और मिस फेयरवेल का ताज इशिका रानी को प्रदान किया गया।

खुशीलाल संस्थान में एलुमिनी मीट का किया भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पंडित खुशीलाल शर्मा गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कॉलेज में शनिवार को एलुमनाई मीट 2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर वर्ष 2001 बैच के सभी विद्यार्थी देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्रित हुए। साथ ही उस समय के प्रोफेसर एवं शिक्षकगण, जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उन्होंने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बना दिया। सभी पूर्व विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर अपने छात्र जीवन की पुरानी यादों को ताज़ा किया, जिससे वातावरण भावुक एवं उल्लासपूर्ण हो उठा।

भारत भवन में मप्र नाट्य विद्यालय के छात्रों ने दी प्रस्तुति

अकाल, विद्रोह और राष्ट्रधर्म की प्रभावी प्रस्तुति के साथ देखने को मिला 'आनंदमठ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार की शाम भारत भवन में इतिहास, साहित्य और राष्ट्रचेतना के अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर प्रस्तुत नाट्यकृति 'आनंदमठ' ने दर्शकों को अठारहवीं शताब्दी के अकालग्रस्त बंगाल में ले जाकर न केवल करुण यथार्थ से परिचित कराया, बल्कि राष्ट्रभक्ति की उस ज्वाला को भी पुनर्जीवित किया, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आधारभूमि तैयार की थी। महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के कालजयी उपन्यास आनंदमठ पर आधारित यह प्रस्तुति कलात्मक संवेदना और वैचारिक गंभीरता से परिपूर्ण रहा। नाटक का निर्देशन संजय श्रीवास्तव ने किया, जिसकी प्रस्तुति मप्र नाट्य विद्यालय के छात्रों ने दी।

मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थी नाटक 'आनंदमठ' की प्रस्तुति देते हुए।

भीषण अकाल के मार्मिक दृश्य ने किया भाव विभोर

नाटक का आरंभ बंगाल के भीषण अकाल के मार्मिक दृश्य से होता है। मंच पर प्रकाश और ध्वनि के संयोजन से निर्मित सूखा, भूख और भय का वातावरण दर्शकों को भीतर तक विचलित करता है। गांव के निवासी महेंद्र और उनकी पत्नी कल्याणी अपने शिशु के साथ गांव छोड़ने को विवश हैं। चारों ओर भूख, लूट-पाट और अंग्रेजी शासन का दमनकारी लगान इन परिस्थितियों ने सामान्य जनजीवन को छिन्न-भिन्न कर दिया है। निर्देशक ने इन दृश्यों में सामूहिक अभिनय और प्रतीकात्मक मंच-सज्जा का प्रभावी उपयोग किया, जिससे त्रासदी का विस्तार सजीव हो उठा।

विद्रोह और न्याय-बोध का संचार

लगभग 90 मिनट अवधि की प्रस्तुति में निर्णायक मोड़ तब आता है जब सैनिक महेंद्र को पकड़ लेते हैं और कल्याणी जंगल में भटक जाती है। यहां संन्यासी भवानंद का प्रवेश नाटकीय उत्कर्ष रचता है। कलाकार ने भवानंद के धीर-गंभीर व्यक्तित्व को संयत संवाद-अभिनय और दृढ़ देह-भाषा के माध्यम से प्रभावशाली बनाया। अंग्रेज अफसर की हत्या और लूटे गए धन को अकालपीड़ितों के हित में लगाने का दृश्य दर्शकों के भीतर विद्रोह और न्याय-बोध का संचार करता है। आनंदमठ के प्रधान सत्यानंद और उनके शिष्यों भवानंद तथा जीवानंद का चरित्र चित्रण त्याग, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की त्रिवेणी को प्रदर्शित करता है। प्रस्तुति में संन्यासी और डकैत की द्वंद्वात्मक छवि को बड़ी सूझ-बूझ से उकेरा गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 12 अप्रैल 2026

केदारनाथ के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरु

नई दिल्ली। बाबा केदारनाथ के दर्शन करने हेलिकॉप्टर सेवा शुरु हो गई है। यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ होगी। इसके बाद 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। वहीं, सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे।

रायसेन में 3 दिवसीय ‘उन्नत कृषि महोत्सव-2026’ का शुभारंभ

रायसेन 47 देशों को निर्यात कर रहा है ‘बासमती चावल’

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात दोगुना

राजनाथ सिंह

राजनाथ ने की सीएम की तारीफ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मप्र की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कर्मठ नेतृत्व में मप्र लगातार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने देश के हृदय प्रदेश को एक अलग पहचान दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को उन्नत कृषि महोत्सव-2026 में शामिल होने रायसेन पहुंचे थे। उन्होंने किसानों से कहा कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात दोगुना हुआ है। आज अकेले रायसेन जिला 47 देशों को बासमती चावल निर्यात कर रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी किसानों को संबोधित किया। रक्षा मंत्री सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन दिनी कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं ▶▶ शेष पेज 4 पर

सिंचाई का रकबा बढ़कर हुआ 55 लाख हैक्टेयर

दीप प्रज्वलित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

▶▶ मृदा परीक्षण के लिए स्वॉइल मोबाइल एप ई-फॉर्म लॉन्च

▶▶ किसान खुद जांच सकेंगे मिट्टी की सेहत

मप्र के लिए शुभंकर हैं केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह के हाथों कुछ दिन पहले ही मप्र में बीईएमएल के पहले रेल कारखाने का भूमि-पूजन हुआ है। अब वे किसानों को अपना मार्गदर्शन देने आए हैं। वे वास्तव में मप्र के लिए शुभंकर केंद्रीय मंत्री हैं। डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान देश में कृषि क्षेत्र की सफलता की पहचान बन चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में सिंचाई का रकबा भी तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2002-03 में जहां मात्र साढ़े सात लाख हेक्टेयर में रकबे में सिंचाई की सुविधा थी। अब सिंचित रकबा बढ़कर अब 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हम प्रदेश के एक करोड़ हेक्टेयर कृषि रकबे को सिंचित करने के लक्ष्य पूर्ति के लिए मिशन मोड में

सीएम डॉ. यादव

आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के किसानों को हर वक्त सिंचाई के लिए बिजली मिल रही है।

कृषि महोत्सव प्रदेश के किसानों की तकदीर बदलेगा : राजनाथ

रक्षा मंत्री सिंह ने मप्र की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कर्मठ नेतृत्व में मप्र लगातार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। रायसेन में हो रहा यह उन्नत कृषि महोत्सव प्रदेश के किसानों की तकदीर और उनकी माली हालत की तस्वीर बदलने में बेहद सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस कृषि महोत्सव में किसानों को सरकारी योजनाओं के साथ बिचौलियों से मुक्त बाजार सहित वेयर हाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने देश के हृदय प्रदेश को एक अलग पहचान दी है।

किसानों के विकास का चल रहा है महायज्ञ: चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि रायसेन जिला कृषि सहित हर क्षेत्र में आगे हैं, यहां की धान और गेहूं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 140 करोड़ देशवासी को भरपेट भोजन उपलब्ध कराना है। हमें कृषि उत्पादन बढ़ाना है, कृषि की लागत भी घटानी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में कृषि से किसानों को आय बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती पर जानकारी प्रदान की जाएगी। इंटीग्रेडेट फॉर्मिंग से एक एकड़ में 2 लाख तक की आय प्राप्त की जा सकती है। खेती से जुड़े अलग-अलग विषयों पर 20 सत्र आयोजित किए गए हैं। इसमें बीज से लेकर बाजार तक किसानों को हर तरह के सपोर्ट की जानकारी दी जाएगी।

खबर संक्षेप

अभिनेत्री सारा अर्जुन महाकाल मंदिर पहुंची

उज्जैन। हाल ही में रिलीज फिल्म धुरंधर-2 की अभिनेत्री सारा अर्जुन शनिवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उनके साथ पिता राज अर्जुन और मां सान्या भी मौजूद थीं। सारा ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल के दर्शन किए।

बहन की शादी कराने जा रहा था परिवार

शिवपुरी में ऑटो पर पलटा ट्रक दूल्हा-दुल्हन, मां, भाभी की मौत

▶▶ एक दिन पहले ही हुआ था भाई का विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

यहां एक बड़ा हादसा हो गया। जिसमें दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई। टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास एक ट्रोला सड़क पर खड़े ऑटो पर आकर पलट गया। जिससे ऑटों में सवार दूल्हा-दुल्हन और दूल्हे की मां एवं बहन की जान चली गई। हादसे के बाद शादी घर में मातम छा गया है।

जानकारी के मुताबिक तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव के रहने वाले वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था। शनिवार को शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो

मृतक दूल्हा-दुल्हन

शाक्य (22), बहन भूरिया शाक्य (19) और ड्राइवर के साथ ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए निकले थे। टोंगरा रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास ड्राइवर ने कुछ सामान लेने के लिए ऑटो को रोका था। इस दौरान ड्राइवर और दूल्हे की बहन पास की दुकान पर चले गए थे। तभी दोपहर करीब 12 बजे मुर्गी दाने से भरा ट्रक वहां आया और अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया। ऑटो में बैठे दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां और भाभी ट्रक के नीचे दब गए। हादसे में दबे हुए लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद सभी को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ▶▶ शेष पेज 4 पर

कूनो में आई फिर बड़ी खुशखबर

4 शावकों की मां बनी गामिनी यह चीता ‘भारतीय मूल’ की है

चीता पुनर्वास प्रोजेक्ट को मिली सफलता

शावकों के साथ गामिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क से एक बड़ी खुशखबर सामने आई है। करीब 25 माह की भारतीय मूल की मादा चीता ‘गामिनी’ ने खुले जंगल में चार शावकों को जन्म दिया है। साल 2022 में शुरू हुए चीता पुनर्वास परियोजना के बाद यह पहली बार है, जब किसी मादा चीता ने प्राकृतिक जंगल वातावरण में सफलतापूर्वक शावकों को जन्म दिया है।

खास बात यह है कि ‘गामिनी’ भारतीय मूल की मादा चीता है, जिससे यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक बन जाती है। वन विभाग के अनुसार गामिनी पिछले एक ▶▶ शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में जन्मी मादा चीता गामिनी की बेटी केजीपी-12 द्वारा 4 शावकों को जन्म देने पर उद्यान के प्रबंधकों और वन्य जीव चिकित्सकों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश को चीतों का घर बनाया, इससे प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को ▶▶ शेष पेज 4 पर

इंदौर में वंदे मातरम विवाद पर गरमाई राजनीति.. कांग्रेस की दो महिला पार्षदों ने राष्ट्रगीत गाने से कर दिया था इंकार

सीएम डॉ.मोहन यादव बोले – कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर.... पूरी प्रदेश कांग्रेस ही इस्तीफा दे

▶▶ सीएम ने कहा इंदौर नगर निगम की दो महिला पार्षदों ने बेशर्मी की हद पार कर दी

▶▶ पटवारी ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है, जिसकी आत्मा राष्ट्रगीत और संविधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर नगर निगम के बजट सम्मेलन के दौरान कांग्रेस की दो महिला पार्षदों द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाने से इनकार करने का मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम ने सदन में धर्म का हवाला देते हुए राष्ट्रगीत वंदे मातरम को गाने से मना कर दिया था, अन्य सदस्यों ने इसका विरोध किया लेकिन कांग्रेस की ओर

सीएम डॉ. यादव

जीतू पटवारी

फौजिया

से अभी तक इस पर कोई अधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। अब इस मुद्दे पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि इस पर पूरी प्रदेश कांग्रेस को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र से बाहर नहीं निकल पा रही। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम की महिला पार्षदों ने ▶▶ शेष पेज 4 पर

चुप क्यों हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ये लोग देश को कहां ले जाएंगे, देशभक्तों का अपमान करेंगे। हजारों देशभक्तों ने भारत माता की जय बोलते-बोलते प्राण त्याग दिए। मुझे इस बात का बड़ा दुख और मुझे इस मामले पर ग्लानि हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जो हर मामले पर बोलते हैं, वो अब इस पर क्यों नहीं बोल रहे। कांग्रेस की पार्षद की टिप्पणी पर उनका क्या कहना है। अगर इस पर पटवारी और कांग्रेस नेता कोई कार्रवाई नहीं कर पाते, तो ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीहोर के आष्टा में 1.25 करोड़ बहनों के खातों में पहुंचेंगे 1836 करोड़ रुपए

184 करोड़ से अधिक के विकास व निर्माण कार्यों का करेंगे लोकार्पण

मुख्यमंत्री सवा करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में आज अंतरित करेंगे राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 अप्रैल को सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 1836 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 184 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। इन कार्यों में 115 करोड़ 32 लाख के कार्यों का लोकार्पण एवं 69 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

नारी सशक्तिकरणः संसद की बैठक ऐतिहासिक

सीएम ने कहा कि आगामी 16 अप्रैल को संसद में ऐतिहासिक बैठक होने जा रही है। पीएम की पहल पर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर विधेयक पारित करवाने के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री के द्वारा देश की आधी आबादी के सशक्तिकरण के लिए दृढ़संकल्पित होकर नारीशक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करना नारी सशक्तिकरण के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि देशवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी सभी के कल्याण के लिए दूरदृष्टि के साथ कार्य कर रहे हैं।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ नहीं होगा समझौता: मंत्री सिंह

बबीना ओरछा मार्ग 'प्रभु श्रीराम जी की थीम' पर होगा विकसित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस समीक्षा का मंच नहीं बल्कि खुली परिचर्चा का माध्यम है, जहां सभी अधिकारी अपने अनुभव साझा कर विभाग को नई दिशा देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर दो माह में इस प्रकार की परिचर्चा आयोजित की जाएगी, जिससे कार्यों की गुणवत्ता एवं परिणाम बेहतर हो सकें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। परिचर्चा के माध्यम से ही अनेक जटिल समस्याओं का समाधान संभव है और सभी अधिकारियों को एक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभाग की प्राथमिकताओं, कार्यप्रणाली में सुधार एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की भावी दिशा पर समस्त मुख्य एवं प्रमुख अभियंताओं के साथ विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री के 10 दिसंबर को विभागीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन के दिशा में यह बैठक महत्वपूर्ण रही। मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ मंत्री सिंह ने रामराजा सरकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग सुखवीर सिंह, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम भरत यादव, प्रबंध संचालक भवन विकास निगम सिबी चक्रवर्ती, प्रमुख अभियंता केपीएस राणा, एसआर बघेल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता मौजूद थे।

» भुगतान के पहले बिट्यूमिन सप्लाई बिलों का होगा शत प्रतिशत सत्यापन

» विभाग के सर्किट हाउस एवं रेस्ट हाउस के प्रबंधन को बेहतर बनाने पर जोर

पीडब्ल्यूडी मंत्री सिंह की प्रेस कांफ्रेस।

शासकीय भवन ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव निर्देश अनुसार अब सभी शासकीय भवनों को ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। इन निर्देशों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण पालन सुनिश्चित करने के मंत्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी नवीन भवनों का गृह रेटिंग के लिये पंजीयन कराया जाए।

डामर की गुणवत्ता के लिए सख्त कदम

सड़क निर्माण में प्रयुक्त होने वाले बिट्यूमिन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए केवल सरकारी रिफाइनरी से बिट्यूमिन लेने का निर्णय लिया गया था। मंत्री सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण में बिटयुमिन कार्य का भुगतान बिट्यूमिन देयकों के शत प्रतिशत वेरिफिकेशन के बाद ही किया जाए।

ओरछा के लिए अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव

मंत्री सिंह ने एनएचएआई को पत्र लिखकर बबीना बाईपास पर ओरछा के लिए अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए, जिससे सागर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग से आने वाले पर्यटकों को निर्बाध एवं सुरक्षित कनेक्टिविटी मिल सके। उन्होंने अमरकंटक पहुंच मार्ग के उन्नयन का उदाहरण देते हुए निर्देशित किया कि उसी तर्ज पर ओरछा मार्ग को भी आधुनिक डिजाइन, बेहतर संकेतक, सुरक्षा उपाय एवं पर्यटक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाए। बैठक में विभागीय कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्धता, नवीन तकनीकों के उपयोग, पर्यावरण अनुकूल निर्माण एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

लापरवाही का खतरनाक सिलसिला चिंता का विषय

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्तः पटवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जीतू पटवारी।

मप्र सरकार पर कांग्रेस के गंभीर आरोप

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने प्रदेश में लगातार सामने आ रही गंभीर घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि प्रदेश में लापरवाही का खतरनाक सिलसिला चल रहा है, जिसकी कीमत आम जनता अपनी जान देकर चुका रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहरीले कफ सिरप के सेवन से करीब 25 लोगों की मौत ने दवा नियंत्रण व्यवस्था की पोल खोल दी है, वहीं दूसरी ओर हज़ारों करोड़ के बजट वाली इंदौर नगर निगम ने 35 लोगों को पानी में ज़हर देकर सरकारी हत्या कर दी। इन दोनों घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार बुनियादी स्वास्थ्य सुरक्षा तक सुनिश्चित करने में विफल रही है। पटवारी ने कहा कि इन घटनाओं के बाद भी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया, और अब भोपाल स्थित एम्स भोपाल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई में चूहों की मौजूदगी की खबर ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। वह स्थान होता है जहां सबसे ज्यादा संवेदनशील और गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं का इलाज होता है। वहां चूहों का मिलना न केवल गंभीर लापरवाही है, बल्कि मानवता के खिलाफ अपराध के समान है। यह केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का प्रतीक है।

बार-बार की लापरवाही के बावजूद नहीं उठाए जा रहे कोई ठोस कदम

क्या मध्यप्रदेश की जनता की जान इतनी सस्ती हो गई है कि बार-बार की लापरवाही के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे? आखिर कब तक मासूम बच्चे, गरीब परिवार और आम नागरिक इस लापरवाह सिस्टम की बलि चढ़ते रहेंगे? पटवारी ने राज्य सरकार से मांग की कि इन गंभीर मुद्दों पर शीघ्र, ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शिक्षकों ने विधायकों को ज्ञापन देकर मांगा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- टीईटी परीक्षा आदेश निरस्त करने सहित विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग

शिक्षकों की पात्रता परीक्षा को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश का शिक्षक संगठन लगातार विरोध कर रहे है। राजधानी भोपाल में प्रदर्शन के बाद अब अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मप्र के आव्हान पर प्रदेश भर में ब्लाक मुख्यालयों पर धरना, रैली, प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इसके साथ ही इस दौरान शिक्षकों द्वारा स्थानीय विधायक-जनप्रतिनिधियों से समर्थन मांगा जा रहा है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के सदस्य उपेंद्र कौशल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ज्ञापन सौंपकर टीईटी परीक्षा आदेश निरस्त करने एवं सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करने की निराकरण की मांग की जा रही है।

शनिवार को शिक्षको ने रैली, प्रदर्शन कर बैरसिया विधायक विष्णु खत्री को ज्ञापन सौंपा और शिक्षकों के हित संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री को समर्थनपत्र देने की मांग की। वहीं फंदा एवं शहर भोपाल के शिक्षकों ने मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं मंत्री कृष्णा गौर, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, दक्षिण भोपाल विधायक भगवान दास सबनानी और भोपाल सांसद के निवास पहुंच कर उनकी अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर समर्थन मांगा। भोपाल में ही सिलवानी विधायक देवेन्द्र पटेल से पत्रकार भवन पर मुलाकात कर समर्थन मांगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिया है टिकट

मध्यप्रदेश में राज्यसभा की अब 4 सीटों पर हो सकते हैं चुनाव, केंद्रीय मंत्री मुरुगन की सीट होगी खाली!

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

डॉ. एल मुरुगन

मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रही राजनीतिक हलचल के बीच बड़ी खबर सामने आ रही है। मप्र में तीन राज्यसभा सीटों पर चुनाव होना हैं, लेकिन अब चौथी सीट भी खाली होने की संभावना जताई जा रही है। इससे सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक, यह चौथी सीट 4 मई के बाद खाली हो सकती है।

वर्तमान में राज्यसभा में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव मैदान में उतरे हैं। मुरुगन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अविनाशी सुरक्षित सीट से चुनाव मैदान में हैं। भाजपा ने उन्हें 27 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची में इस सीट से टिकट दिया है। यदि वे चुनाव जीतते हैं, तो उन्हें राज्यसभा की सदस्यता छोड़नी पड़ेगी, जिससे यह सीट भी खाली हो जाएगी।

मध्य प्रदेश से दूसरी बार चुने गए थे राज्यसभा मेम्बर

एल. मुरुगन का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2030 तक है और वे मध्य प्रदेश से दूसरी बार उच्च सदन के मेम्बर बने हैं। वे पहली बार 27 सितंबर 2021 को राज्यसभा के लिए चुने गए थे, इसके बाद, अप्रैल 2024 में वे फिर से राज्यसभा के लिए मप्र सीट से निर्विरोध निर्वाचित हुए। वर्तमान में मुरुगन, नरेंद्र मोदी सरकार में सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री हैं।

विधानसभा चुनाव जीतने पर दे सकते हैं इस्तीफा

वएमपी में जून 2026 में तीन राज्यसभा सदस्यों की सीटें खाली हो रही हैं। जिनमें से वर्तमान में दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। इन तीन सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं। एल मुरुगन एमपी की चौथी राज्यसभा सीट से मेंबर हैं और 2024 में ही राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। अब चूंकि मुरुगन को भाजपा ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में यदि वे चुनाव जीत जाते हैं, तो उन्हें इस राज्यसभा सीट से इस्तीफा देना होगा या दे सकते हैं।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग

नासा का आर्टेमिस-2 मिशन : 7 हजार तस्वीरों के साथ धरती पर लौटे नासा के अंतरिक्ष यात्री

पिछले पांच दशकों में ऐसा पहली बार था जब इंसानों ने चंद्रमा के पास जाकर फ्लाईबाय किया

- फ्लाईबाय यानी अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के पास से गुजरते हुए उसकी सतह, गड्ढों, लावा प्रवाह और अंतरिक्ष के दुर्लभ दृश्यों को कैमरे में कैद किया
- यह मिशन चंद्रमा के लिए भविष्य के और बड़े अभियानों की नींव रखेगा

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, आर्टेमिस-2 के चारों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। 10 दिन की ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चारों अंतरिक्ष यात्री शनिवार तड़के प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग के साथ पृथ्वी पर लौट आए।

इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, जेरेमी हैनसन और रीड वाइसमैन शामिल ▸▸ शेष पेज 4 पर

धरती पर लौटने पर अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, जेरेमी हैनसन और रीड वाइसमैन अपनी खुशी का इजहार करते हुए

2028 में दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की योजना

यह मिशन चंद्रमा पर इंसानों की वापसी की दिशा में अहम कदम है। अगले मिशन आर्टेमिस-3 में अंतरिक्ष यात्री चंद्र लैंडर के साथ डॉकिंग का अभ्यास करेंगे, जबकि 2028 में आर्टेमिस-4 के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की योजना है।

अमित क्षत्रियः नासा के शीर्ष पद तक पहुंचने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिक

भारतीय मूल के वैज्ञानिक अमित क्षत्रिय आज नासा में शीर्ष पद पर पहुंच चुके हैं। नासा के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में वे एजेंसी के सबसे वरिष्ठ सिविल अधिकारी हैं और प्रशासक जारेड आइजैकमैन के प्रमुख सलाहकार के तौर पर अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं। आर्टेमिस 2 मिशन की सफलता की ▸▸ शेष पेज 4 पर

अमित क्षत्रिय

खबर संक्षेप

हार्टअटैक के बाद आशा भोसले अस्पताल में भर्ती

मुंबई। संगीत जगत की दिग्गज गायिका 92 वर्षीय आशा भोंसले की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आशा की नातिन जनाई भोंसले ने तबीयत को लेकर अपडेट साझा किया। उन्होंने बताया कि अत्यधिक थकान और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें भर्ती करना पड़ा। रिपोर्ट्स में सामने आया है कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा।

बस-पिकअप की टक्कर में 10 की मौत, 25 घायल

कटिहार। यहां भीषण सड़क हादसे ने पूरे कोढ़ा इलाके को हिला कर रख दिया। एनएच-31 पर बसगड़ा चौक के पास दातपुर मुसहरी चौक के नजदीक बस और पिकअप वैन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि इसकी चपेट में आई दो बाइकों पर सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान गई है, जबकि 25 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं।

इंदौर में कॉपी-किताब मोनोपोली पर एफआईआर

इंदौर। स्कूलों में कॉपी-किताब की मोनोपोली के खिलाफ जिला प्रशासन ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर गांधीनगर स्थित डॉ. विश्वनाथ कराडा गुरुकुल शांति (वर्ल्ड पीस स्कूल) के संचालक एवं प्राचार्य के एफआईआर की गई है। स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों को केवल स्कूल परिसर में संचालित अपनी निर्धारित दुकान से ही कॉपी-किताब खरीदने के लिए दबाव डाला जा रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच इस्लामाबाद में सीजफायर पर शांति-वार्ता...3 दौर की बात हुई ईरान से 70 लोग व यूएस से 3 लोग मौजूद

अमेरिका से जेडी वेंस व ईरान से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं बात, फिलहाल बैठक का नतीजा नहीं निकला है, अनिश्चितता बनी है

हमले में मारे गए स्कूली बच्चों के खून सने बैग, जूते और तस्वीरें लेकर पहुंचा ईरान बोला-इनके 'गुनहगारों' को सजा कौन देगा?

एजेंसी ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता एक्सपर्ट लेवल पर पहुंच गई है। इनमें सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े लोग शामिल हैं। दोनों देशों के नेता सीधे बातचीत नहीं कर रहे हैं। बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। हालांकि अभी तक इस बातचीत की कोई तस्वीर नहीं आई है। दोनों देश पाक पीएम शाहबाज शरीफ को अपनी फाइलें दे रहे हैं। शरीफ दोनों से बात कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच 3 दौर की बात हो चुकी है। अमेरिका का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान का नेतृत्व संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार है जब दोनों देश इतने बड़े स्तर ▸▸ शेष पेज 4 पर

ईरान ने सवाल किया कि अमेरिका, पाकिस्तान की मध्यस्थता का सम्मान करेगा या नहीं, यह अभी देखना बाकी है?

बातचीत की खास बात ये कि दोनों देश सीधे बात नहीं कर रहे, दोनों अपनी फाइल पाक पीएम शाहबाज शरीफ को दे रहे, शरीफ दोनों से बात कर रहे

- दोनों देशों की 47 साल बाद आमने-सामने बातचीत, ईरान बोला- बैठक फेल हुई तो यूएस-इजराइल जिम्मेदार
- वेंस ने कहा कि उन्हें बातचीत से अच्छे नतीजों की उम्मीद है, लेकिन ईरान अमेरिका के साथ चालाकी न करे

बेनतीजा रही 4 घंटे की बैठक : अमेरिका बोला होर्मुज खोलो, ईरान ने कहा पहले लेबनान पर हमले रोको

शांति वार्ता की बैठक 4 घंटे चली, लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला। अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट खोलने पर अड़ा तो ईरान ने साफ कहा कि जब तक लेबनान पर हमले नहीं रुकते तब तक होर्मुज नहीं खुलेगा। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, होर्मुज का मुद्दा दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मतभेद बना हुआ है।

ईरानी विमान की सीटों पर जब खून से सने बैग और जूतों के साथ बच्चों के फोटो रखे दिखे तो पूरी दुनिया सन्न रह गई

ईरानी राजदूत बोले बैठक का मकसद गैर कानूनी जंग रोकना

पाकिस्तान में मौजूद ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोघदाम ने अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हो रही बातचीत का मकसद ईरान के खिलाफ चल रही गैरकानूनी जंग खत्म करना है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध सिर्फ ईरान के खिलाफ अपराध नहीं है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र और दुनिया की सुरक्षा के लिए ▸▸ शेष पेज 4 पर

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता में चीन भी शामिल होगा

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में चल रही शांति वार्ता में अब चीन भी शामिल हुआ है। खबर है कि चीन का एक प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच रहा है, जो पाकिस्तान की मध्यस्थता में मदद करेगा। माना जा रहा है कि अगर दोनों देशों के बीच कोई समझौता होता है, तो चीन उसमें गारंटी देने की भूमिका भी निभा सकता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

महिला सहकर्मी के शरीर को घूरना ताक-झांक नहीं

भारतीय दंड संहिता की धारा 354सी की व्याख्या

फाइल फोटो

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महिला को कथित तौर पर घूरने को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला सहकर्मी के शरीर को घूरना अनैतिक व्यवहार है, लेकिन इसे ताक-झांक का अपराध नहीं माना जाएगा। जस्टिस अमित बोरकर ने कहा कि ऐसे काम नैतिक रूप से गलत हैं, लेकिन वे भारतीय दंड संहिता की धारा 354सी के तहत कानूनी मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। यह धारा ताक-झांक के अपराध को परिभाषित करती है और उसके ▸▸ शेष पेज 4 पर

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर पथराव

आंसू गैस और हवाई फायरिंग 3 महिला पुलिसकर्मी घायल

3 हिरासत में अन्य संदिग्धों की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सतना

शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डालीबाबा इलाके में अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम पर अचानक हुए पथराव के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हुए इस बवाल को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ ही हवाई फायरिंग करनी पड़ी। घटना में तीन महिला पुलिसकर्मी घायल हुई हैं, जबकि कुछ उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। डालीबाबा ▸▸ शेष पेज 4 पर

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर मुलाकात

इधर 5 राज्यों में मचा है चुनावी घमासान

पीएम मोदी और राहुल गांधी यूं मिले... पहले मुस्कुराए, फिर हाथ जोड़ लिए

नई दिल्ली। केरल, बंगाल, असम समेत 5 राज्यों में चुनावी घमासान को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में शनिवार सुबह-सुबह भारतीय राजनीति की बेहद खास तस्वीर सामने आई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ▸▸ शेष पेज 4 पर

इंदौर में महामंडलेश्वर ने ली 72 घंटे की भू-समाधि

हनुमान प्रतिमा लेकर 7 फीट गड्ढे में उतरे महाराज, 13 को देंगे दर्शन

समाधि के दौरान लगातार होंगे अभिषेक-पाठ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

तिल्लौर-शिवनगर मार्ग स्थित ग्राम पीपलिया लोहार के संकट मोचन हनुमंत मंदिर खेड़ापति आश्रम में शुक्रवार को एक अनोखी आध्यात्मिक साधना देखने को मिली। महामंडलेश्वर राजगुरु महाराज ने सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में 72 घंटे की भूसमाधि ली। दोपहर 12:45 बजे महाराज अपने इष्ट भगवान हनुमान की प्रतिमा को हाथों में लेकर करीब 7 फीट गहरे गड्ढे में सीढ़ियों के सहारे उतरे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल को दोपहर 12:45 बजे तपस्या पूर्ण होने पर वे पुनः श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

राजगुरु महाराज की भूसमाधि

12 फीट ऊंचे हनुमान का होता रहेगा अभिषेक

इस मौके पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बताया गया कि महाराज गुरुवार रात 1 बजे से ही साधना में लीन हो गए थे। शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे हनुमानजी की आरती के बाद वे भूसमाधि में चले गए। समाधि अवधि के दौरान 12 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा का लगातार अभिषेक किया जाएगा। साथ ही हनुमान चालीसा का अखंड पाठ और दोपहर में भागवत कथा का आयोजन ▸▸ शेष पेज 4 पर

समता विनियम-2026 को लागू करने को लेकर जोश दिखाना पड़ा भारी...

यूजीसी सचिव प्रोफेसर मनीष जोशी को अचानक छोड़नी पड़ी कुर्सी, दिया इस्तीफा

एआईसीटीई की सदस्य सचिव प्रोफेसर श्यामा रथ को सौंपी गई यूजीसी सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

उच्च शिक्षण संस्थानों में बगैर किसी अनुमति के 'समता विनियम-2026' लागू करना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रोफेसर मनीष आर. जोशी को भारी पड़ गया। उन्हे अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। आरोप था कि इस विनियम को प्रो. जोशी ने बगैर सरकार से चर्चा और अनुमति के लागू करा दिया। इसके बाद विरोध हुआ और चौतरफा आलोचनाएं होने लगीं। नतीजा ये हुआ कि उन्हे अपने पद से हाथ धोना पड़ा। यूजीसी के मुताबिक, उनका इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है और उनकी नियुक्ति महाराष्ट्र में उनके मूल विभाग में कर दी गई है। शनिवार को आयोग में उनका अंतिम कार्य दिवस रहा और इसके बाद वह अवकाश पर चले गए। अब 25 अप्रैल से प्रोफेसर जोशी को औपचारिक रूप से कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। पूर्व में यूजीसी सचिव के रूप में उनका कार्यकाल कुल पांच वर्ष का था और अभी उसके लगभग तीन साल बाकी बचे हुए थे। 2023 में उन्होंने इस महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी संभाली थी और 3 फरवरी 2028 को उन्हें सेवानिवृत्त होना था। वहीं सूत्रों ने बताया कि प्रोफेसर मनीष ने निजी कारणों को अपने इस्तीफे की वजह बताया है। जिसमें वह अपने मूल संगठन यानी महाराष्ट्र के कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव (केबीसीएनएमयू) के ▸▸ शेष पेज 4 पर

शनिवार से अवकाश पर जोशी, 25 अप्रैल को औपचारिक रूप से होंगे कार्यमुक्त

सुप्रीम कोर्ट ने दिया दखल

विरोध-प्रदर्शनों के बीच रोहित वेमुला और पायल के परिजनों ने शीर्ष न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। जिसके बाद न्यायालय ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए यूजीसी को पुनः 2012 के पुराने नियमों को लागू करने का निर्देश दिया। वहीं, दूसरी ओर इस संवेदनशील मामले को लेकर जब प्रोफेसर जोशी ने सरकार से पूर्व विमर्श के ही इन नियमों को अधिसूचित कर दिया था। तब यह पूरा विवाद उठ ▸▸ शेष पेज 4 पर

एमसीयू में आयोजित हुआ जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत आवश्यक, भाषा की विशिष्टता पर ध्यान रखना बेहद जरूरी: आयुक्त मनीष सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए। यह बात जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही।

राजधानी के एमसीयू में आयोजित जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन सत्र में जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को किस तरह बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते आयुक्त मनीष सिंह।

इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलगुरु तिवारी समेत जिला जनसंपर्क कार्यालयों तथा निदेशालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

लेखन में रुचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए: तिवारी

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ आयोजन

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया। इस आयोजन में दोनों दिन संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस, एआई, कंटेंट मैंनेजमेंट, आरटीआई, प्रेस के नियम, जनसंपर्क की नीतियों और उनके क्रियान्वयन के व्यवहारिक पहलुओं सहित वित्तीय प्रबंधन आदि विषयों पर विविध सत्र आयोजित हुए।

आंधी-बारिश से फीका पड़ा गेहूं का कलर, दाना भी सिकुड़ा

भोपाल। गुरुवार से शुरु हुई सरकारी गेहूं खरीदी को लेकर शनिवार को दिल्ली के एफसीआई से टीम भोपाल पहुंची। टीम ने स्टील साइलो मुगालिया कोर्ट, सुविधा वेयर हाउस निपानिया, आर्य वेयर हाउस निपानिया, ठाकुर वेयर हाउस, शिव वेयर हाउस भोरासा और सोनिका वेयर हाउस खरीदी केंद्रों का जायजा लिया, जहां गेहूं की चमक फीकी और गेहूं के दाना सिकुड़ा मिला।
टीम ने गेहूं के सैंपल ले लिए हैं, जिसके आधार पर राजधानी में गेहूं के एफएक्यू का मानक तय किया जाएगा। अफसरों ने बताया कि पिछले दिनों यहां पर आंधी और बारिश की वजह से गेहूं के कलर पर असर पड़ा है। पिछले दो दिन में टीम ने एक दर्जन केंद्रों का निरीक्षण कर सैंपलिंग की है। टीम यह रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेगी। जिससे, नुकसान का अनुमान लगाया जा सके। भोपाल में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के 82 केंद्र बनाए गए हैं।
गेहूं का दाना सिकुड़ा मिला
निरीक्षण के दौरान टीम को कई जगहों पर गेहूं की क्वालिटी ठीक नहीं मिली। दाना सिकुड़ा मिला तो रंग भी फीका था। शनिवार को भारत सरकार की खाद्य मंत्रालय की टीम ने गेहूं के संबंध में केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग के हिसाब से एफएक्यू गेहूं की खरीदी की जा रही है।

शहर के पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए 5 करोड़ का बजट, लेकिन न सुरक्षा, न सुविधाएं

नीलम पार्क में खुलेआम चल रहा जुआ यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में गंदगी

नीलम पार्क में जुआ खेलते लोग।

4 साल पहले 1 करोड़ 13 लाख सौंदर्यीकरण पर हुए थे खर्च

जिस यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में मवेशी घूम रहे हैं और फाउंटेन बदहाली से घिरा है उसके सौंदर्यीकरण पर चार साल पहले एक करोड से ज्यादा खर्च किए गए। यहां भी पार्क परिसर में खुलेआम जुआं हो रहा है। पार्क शराबी और नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। असामाजिक तत्वों की मौजूदगी के कारण महिलाएं-बच्चे आने से कतराते है। बुजुर्गों की संख्या भी न के बराबर है। कभी कभी नशेड़ी लोगे से विवाद करते है।

फाउंटेन बंद, डस्टबिन टूटे, रैलिंग उखड़ी

निगम के जिम्मे है शहर के 183 पार्कों का मेंटेनेंस, वीआईपी इलाकों में ही देखरेख और मेंटेनेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में पार्कों के सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट के बावजूद शहर के अधिकांश पार्क बदहाली का शिकार हैं। यहां न सुरक्षा के इंतजाम हैं, न बुनियादी सुविधाएं। हालात यह हैं कि कई पार्क अब असामाजिक गतिविधियों के अड्डे बनते जा रहे हैं। हरिभूमि की टीम ने जब शहर के पुराने पार्कों में शुमार नीलम पार्क और यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में स्थिति देखी तो नीलम पार्क में खुलेआम जुआ खेला जा रहा था, जबकि यादगार-ए-शाहजहानी पार्क में मवेशी घूम रहे थे। नीलम पार्क में फाउंटेन महीनों से बंद पड़े हैं, डस्टबिन टूट चुके हैं और रेलिंग उखड़ी हुई है। साफ-सफाई की स्थिति भी बेहद खराब है। पार्क में

आने वाले असामाजिक तत्व शराब की बोतल और गंदगी फेंककर छोटे तालाब को दूषित भी कर रहे हैं। पार्क की वॉकिंग स्ट्रीट में बड़ी दरारें आ गई है। लोगो के बैठने की सुविधा नहीं है। बैठने के लिए लगीं कुर्सियां भी जमीन में धंस चुकी है। न तो झूले है न ही लाइट की व्यवस्था। स्ट्रीट लाईटें खराब है, जिससे अंधेरा होने के बाद टहलना मुश्किल हो जाता है। महापौर मालती राय का कहना है कि पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। पार्कों का सौंदर्यीकरण लगातार करवाया जा रहा है। नीलम पार्क और यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क में कमियों को दूर करवाया जाएगा।

डिजाइनर फाउंटेन में भरा है गंदा पानी

पार्क के बीचों बीच बने डिजाइनर फाउंटेन में महीनों से गंदा पानी जमा है, लेकिन निगम ने सफाई करने की जरूरत तक नहीं समझी। सुबह होते ही पार्क परिसर मवेशियों का चारागाह बन जाता है।

अब लिक्विड बायोप्सी से पकड़ में आएगा कैंसर

देर से शादी भी बन रही कैंसर की एक मुख्य वजह: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अब कैंसर की पहचान के लिए लक्षणों का इंतजार करने की जरूरी नहीं है। बल्कि आधुनिक तकनीकों की मदद से छिपी हुई बीमारी को शुरूआती चरण में ही पकड़ा जा सकता है। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में शनिवार को 'जीएमसी बायोकॉन 2.0' सीएमई में देशभर के विशेषज्ञों ने कैंसर की बढ़ती चुनौतियों, उसके कारणों, समय पर जांच और लिक्विड बायोप्सी जैसी नई तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। जीएमसी के मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना शर्मा ने बताया कि कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके पीछे शहरीकरण, बदलती जीवनशैली, देर से शादी, हार्मोनल बदलाव और संक्रमण जैसे कई कारण जिम्मेदार है।

खानपान में मिलावट और प्रदूषण बड़ा खतरा

जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने सीएमई का शुभारंभ करते हुए कहा कि आजकल के खान-पान में मिलावट, पेस्टिसाइड्स और केमिकल्स का इस्तेमाल भी कैंसर के खतरे को बढ़ा रहा है। सीएमई की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी और बायोकेमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराधा राठौर जैन ने कहा कि कैंसर के शुरूआती लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते। इसलिए 35-40 साल की उम्र के बाद नियमित जांच बेहद जरूरी है। समय पर सोना, संतुलित आहार लेना, एक्सरसाइज करना जरूरी है।

विद्यार्थियों ने सीखा मशरूम कल्टीवेशन, मिले प्रमाणपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को दानिश कुंज कोलार में प्रोफेसर पद्मा श्रीवास्तव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट द्वारा शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं कला महाविद्यालय के 60 से अधिक विद्यार्थियों ने मशरूम कल्टीवेशन की 6 दिवसीय ट्रेनिंग ली। प्रशिक्षित विद्यार्थियों को एसपीएम कॉलेज की वनस्पति शास्त्र विभाग की एचओडी डॉ कीर्ति जैन और सुनील श्रीवास्तव ने प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर चंद्र खरे, सुनीता सोनी, सरोज दुबे, भारती खरे, सुधा श्रीवास्तव, प्रदीप खरे, अजीत सक्सेना, तेज सिंह ठाकुर, शारदा जौहरी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चिकित्सा शिक्षकों ने 10 मई तक टाला मांगों को लेकर आंदोलन

अपर मुख्य सचिव ने किया डीपीसी और वेतन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे सुलझाने का वादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत चिकित्सा शिक्षक 21 अप्रैल से आंदोलन करने वाले थे। लेकिन अब यह आंदोलन 10 मई तक के लिए टाल दिया गया है। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय और महासचिव डॉ अशोक ठाकुर ने बताया कि हम अपनी 12 सूत्रीय लंबित मांगों को हल करने के लिए

21 अप्रैल से आंदोलन करने वाले हैं। हमारी समस्याओं में डीपीसी, समयमान वेतनमान, आंतरिक सीधी भर्ती के नियम, सर्विस प्रोटेक्शन शामिल है। दो दिन पहले स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में हमने अपनी समस्याओं से अपर मुख्य सचिव को अवगत कराया और सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कैसे उन्नयन किया जा सकता है, यह भी बताया। हमारी बात सुनने के बाद एसीएस ने हमसे कुछ दिनों का समय मांगा है, जिस पर हम सहमत हो गए हैं।

विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का आयोजन

एसपीएम में बैंकिंग सेक्टर के जॉब प्रोफाइल के लिए कैंपस ड्राइव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तहत कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. शालिनी सक्सेना ने विद्यार्थियों को बैंक भर्ती परीक्षा पैटर्न और तैयारी के टिप्स बताए। स्वामी विवेकानंद करियर गाइडेंस प्रकोष्ठ की संयोजक एवं ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. आशा वर्मा ने विद्यार्थियों को कैंपस ड्राइव की जानकारी दी। इस ड्राइव में 46 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

फूल माली सैनी समाज को आगे ले जाने शिक्षा जरूरी

धूमधाम से मनाई गई ज्योतिबा फुले की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फूल माली सैनी समाज ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती उत्साह के साथ मनाई। इस मौके पर सुबह से लेकर शाम तक कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के बच्चों और बड़ों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस दौरान 7 नंबर स्टॉप स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति पर फूल मालाएं पहनाने बड़ी संख्या में समाज के लोग पहुंचे। सामाजिक शैक्षणिक क्रांति के जनक समाज सुधाकर महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती पर महापौर मालती राय ने 7 नंबर स्टॉप स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, पार्षद गीता माली, फूल माली सैनी समाज के अध्यक्ष जीबी माली एवं सामाजिक के लोग मौजूद थे।

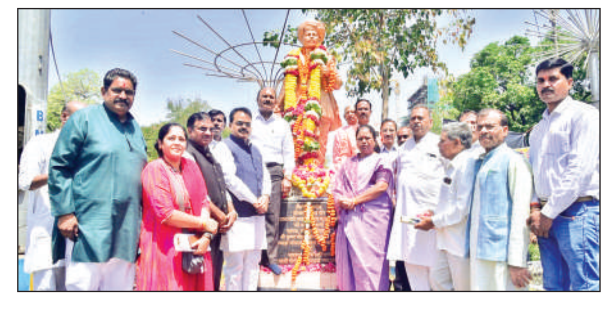

---

40 करोड़ रुपए की हुई थी प्रॉपर्टी की ऑन स्पॉट बुकिंग

हाउसिंग बोर्ड: 90 करोड़ का खजूरीकलां प्रोजेक्ट लगभग 20 दिनों से पड़ा है बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हाउसिंग बोर्ड का 90 करोड़ का खजूरीकलां आवासीय प्रोजेक्ट शुरू होते ही अव्यवस्था का शिकार हो गया है। बड़े दावों और प्रचार के बीच लॉन्च किए गए इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पिछले 20 दिनों से पूरी तरह ठप पड़ा है, पर्यावास भवन में आयोजित दो दिवसीय आवास मेले में इस प्रोजेक्ट को जोर-शोर से प्रमोट किया गया था।

एक दिन में हुई थी 50 करोड़ की प्रॉपर्टी सेल

मेले में 1800 से अधिक इंक्वायरी आईं और करीब 40 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की ऑन स्पॉट बुकिंग भी कर ली गई। दावा किया गया था कि एक ही दिन में लगभग 50 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी सेल आउट हुई, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। सबसे ज्यादा बुकिंग बाग मुगालिया और कटारा हिल्स स्थित सेफायर पार्क सिटी में हुई, वहीं खजूरीकलां, अवधपुरी के डुप्लेक्स और ट्रिप्लेक्स प्रोजेक्ट, सुरम्य परिसर, लवकुश हाइट्स और गौरव नगर जैसी योजनाओं में भी बड़ी संख्या में लोगों ने निवेश किया। इसके बावजूद खजूरीकलां साइट पर निर्माण शुरू तक नहीं हो पाया है।

काम जल्द शुरू करेंगे

इस मामले में हाउसिंग बोर्ड के पीआरओ प्रशांत मिश्रा का कहना है कि 20 मार्च से काम कुछ व्यवहारिक कारणों से बंद है और जल्द ही इसे शुरू कर दिया जाएगा।

औकाफ-ए-शाही पहुंचे लोग, रुबात बंद होने पर जताया विरोध

हज यात्रियों को नहीं मिलेगी रुबात, महंगा पड़ेगा हज का सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल रियासत के भोपाल, सीहोर और रायसेन जिले के हज यात्रियों को मक्का और मदीना में दी जाने वाली रुबात को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल औकाफ ए शाही की लापरवाही की वजह से दोनों जगहों को इस बार रुबात नहीं मिलेगी, ऐसे में यहां के हज यात्रियों को हज के लिए अधिक राशि खर्च करना पड़ेगी। इस बार हज यात्रा के लिए करीब 8 हजार लोग प्रदेश से जा रहे हैं। शेड्यूल के हिसाब से 18 अप्रैल को भारत से पहली फ्लाइट सऊदी अरब जाएगी। हज यात्रियों को रुबात नहीं मिलने पर समाज के

लोगों ने औकाफ ए शाही दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। लोगों ने पोस्टर और बैनर लेकर नारेबाजी की। पोस्टर्स पर लिखा था शाही औकाफ होश में आओ, लापरवाही नहीं चलेगी। प्रदर्शन में शामिल सरवर जहां ने कहा कि पिछले कई सालों से हज यात्रियों को रुबात की सुविधा नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर जिम्मेदार लोग काम नहीं कर पा रहे हैं, तो उन्हें चूड़ियां पहनकर घर बैठ जाना चाहिए।

पिछले 6 सालों से मदीना की रुबात बंद पड़ी है

पिछले 6 सालों से मदीना की रुबात बंद पड़ी है। इस साल मक्का की रुबात में भी हज यात्रियों को ठहरने की सुविधा नहीं मिल रही है। जिसकी वजह से भोपाल, सीहोर और रायसेन के करीब 1000 हज यात्रियों पर करीब 4 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस हिसाब से मक्का में करीब प्रति व्यक्ति करीब 75 हजार रुपए अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा, जबकि मदीना में पहले से ही करीब 25 हजार रुपए का अतिरिक्त भार पड़ रहा है। इधर औकाफ-ए-शाही के प्रशासनिक प्रबंधक फारूक किबरिया ने कहा कि मामले में उच्च स्तर पर प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि सऊदी सरकार की प्रक्रियाओं में देरी की वजह से इजाजतनामा मिलने में समय लगा है, जिससे भवन लेने में दिक्कत आई।

7 कारोबारी के बेटे ने बड़े तालाब में कूदकर...

12 सीमेंट के प्रयोग से बना 3डी टेक्सचर फार्म...

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्थाएं संभालने के लिए सुरक्षाकर्मी तक नहीं

रानी कमलापति स्टेशन के मेन गेट पर बैगेज स्कैनर बना 'डमी' यात्री यहीं पर सो रहे, एजेंट यहां बैठकर बनवा रहे क्रेडिट कार्ड

रानी कमलापति स्टेशन पर बैगेज स्कैनर मशीन के पास सो रहे युवक।

हरिभूमि पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के रानी कमलापति स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन के तौर पर पेश किया जाता है, लेकिन हालात ऐसे हैं कि वहां पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए पूरे सुरक्षाकर्मी तक नहीं हैं। स्टेशन के मेन गेट पर लगा बैगेज स्कैनर भी डमी बनकर रह गया है। इसके नीचे लोग सोते नजर आ रहे हैं। तो वहीं सुरक्षा कर्मी की चेयर पर क्रेडिट कार्ड बनाने वाले एजेंट बैठे नजर आ रहे है। न तो यहां आरपीएफ के जवान तैनात हैं और न जीआरपी। इसके चलते यात्री बिना स्कैन करे ही सामान को लेकर सीधे स्टेशन पर एंटर हो जाते हैं।

बता दें कि आरकेएमपी स्टेशन के इस एंट्री से रोजाना करीब 9 हजार से अधिक यात्री स्टेशन में प्रवेश करते हैं। इसमें कई यात्री वीआईपी श्रेणी के होते हैं। मामले के संबंध में भोपाल रेल मंडल आरपीएफ कमांडेंट डॉ. अभिषेक संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

मशीन बंद होने और सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं होने के कारण अपना सामान वापस लेकर जाता यात्री।

यात्री ने बैग चेक करना चाहा, लेकिन नहीं हुआ

शानिवार को यहां से सफर करने वाले एक यात्री ने अपने लगेज की जांच के लिए लगेज स्कैनर मशीन में रखा, लेकिन वहां पर खड़े एक आदमी ने यात्री को बताया कि यहां पर जांच करने के लिए कोई सुरक्षा कर्मी नहीं है। ऐसे में यात्री ने वापस अपना लगेज उठा लिया।

आरकेएमपी स्टेशन सुविधा को लेकर फिसड्डी हो रहा साबित

सुरक्षा कर्मी की चेयर पर क्रेडिट कार्ड बनाने वाले एजेंट बैठ रहे हैं।

आरकेएमपी स्टेशन सुविधाओं के मामले में लगातार फिसड्डी साबित हो रहा है। यात्रियों को यहां पर मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल रही है। बता दें कि इस स्टेशन को भविष्य की जरूरतों के लिहाज से डिजाइन किया गया है। लेकिन कुछ ही सालों में अंदर ही हालात दिन पर दिन खराब हो रहे हैं। लगातार अव्यवस्था फैलती नजर आ रही है। अक्सर लिफ्ट बंद होने व एस्केलेटर होने की शिकायतें सामने आती रहती है।

पार्किंग व्यवस्था पर सख्ती

औचक निरीक्षण करेंगे अधिकारी, खामी मिली तो सीधे निलंबन

भोपाल। शहर में बिगड़ती पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। अब शहर के सभी प्रमुख पार्किंग स्थलों और मल्टीलेवल पार्किंग का औचक निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था सामने आती है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर सीधे निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। शहर के 32 से अधिक पार्किंग स्थल और मल्टीलेवल पार्किंग को व्यवस्थित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें साफ-सफाई, सुरक्षा, शुल्क वसूली और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे पहलुओं की बारीकी से जांच होगी। अधिकारियों का मानना है कि कई स्थानों पर पार्किंग की अव्यवस्था के कारण सड़कों पर जाम और अव्यवस्थित वाहन खड़े होने की समस्या बढ़ रही है। इसी को देखते हुए यह सख्ती बरती जा रही है, ताकि आम नागरिकों को बेहतर और सुचारु पार्किंग सुविधा मिल सके।

14 नए पार्किंग के लिए टेंडर जारी: शहर में पार्किंग की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखते हुए 14 नए पार्किंग स्थलों के लिए टेंडर भी जारी किए गए हैं। इन नए स्थलों के शुरू होने के बाद शहर में ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग के ये हाल: रोड के बीचों-बीच बैरिकेड्स लगाए, साइड चौड़े नहीं किए, संकरे कच्चे रास्ते से आवाजाही जानलेवा

मेट्रो कॉरिडोर में लापरवाही, गड्ढे की चपेट में आने से एक दिन में तीन लोग हुए जख्मी

गोविंदपुरा आईटीआई के पास सड़क पर चल रहा मेट्रो निर्माण कार्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में मेट्रो निर्माण के बीच लापरवाही अब सीधे लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। रत्नागिरी से पुल बोगदा तक निर्माणाधीन मेट्रो कॉरिडोर पर गोविंदपुरा आईटीआई के पास मुख्य सड़क को खतरनाक हालात में छोड़ दिया गया है।

बिना वैकल्पिक चौड़ीकरण किए ही सड़क के बीचोंबीच बैरिकेडिंग कर निर्माण शुरू कर दिया गया, जिससे पूरा ट्रैफिक संकरे और कच्चे गलियारे में सिमट गया है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा है, जहां हर दिन 50 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद न तो सड़क किनारों को दुरुस्त किया गया और न ही गड्ढों की मरम्मत। नतीजतन, बड़ा गड्ढा यहां हादसों की वजह बन चुका है, जिसमें फंसकर वाहन चालक लगातार गिर रहे हैं।

- *24 घंटे में 50 हजार से ज्यादा गुजरते हैं वाहन*
- *भेल कारखाना, इंडस्ट्रीयल एरिया, एक दर्जन से ज्यादा शैक्षणिक संस्थाएं, कई बड़े अस्पताल और दर्जनों कॉलोनियों का है जुड़ाव*

मेट्रो प्रशासन बोला-सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरा पालन

शनिवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब एक ही दिन में तीन लोग इस गड्ढे की चपेट में आकर घायल हो गए। उसके ठीक सामने सिविल डिस्पेंसरी है, जहां घायल लोग सड़क से उठकर सीधे इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद एम्स अस्पताल रेफर करना पड़ा, जबकि अन्य दो को मामूली चोटें आईं। इधर मेट्रो प्रशासन का तर्क है कि शहर में जहां भी मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है, वहां सुरक्षा प्रोटोकाल का पूरा पालन किया जा रहा है।

सड़क पर बने बड़े गड्ढे के कारण वाहन से गिरकर घायल हुए व्यक्ति को एंबुलेंस में लेकर जाते परिजन एवं स्वास्थ्य कर्मी।

घायल राजेंद्र यादव को एम्स रेफर किया, दो को किया डिस्चार्ज

शनिवार को दोपहर 28 वर्षीय राजेंद्र यादव की बाइक गड्ढे में बाइक फंसने से असंतुलित हो गई और वे गिर गए। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद एम्स रेफर किया गया। उनके अलावा पुरुषोत्तम और नरेश नामक दो अन्य घायल भी सिविल डिस्पेंसरी इलाज के लिए पहुंचे। दोनों को हाथ-पैर में चोटें आई थीं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

भेल कारखाना, इंडस्ट्रियल एरिया, अस्पताल और कॉलोनियों का जुड़ाव

रायसेन राजमार्ग के उक्त रोड का सीधा जुड़ाव भेल कारखाना, इंडस्ट्रीयल एरिया, कई बड़े अस्पताल, कॉलोनियों के अलावा नए व पुराने शहर से है। इस रोड पर 24 घंटे यातायात का दबाव रहता है। रत्नागिरी से गोविंदुपरा तक मेट्रो निर्माण कार्य के चलते आवाजाही मुश्किल भरी बनी हुई है।

निगम, मेट्रो प्रशासन और व्यापारियों के बीच बनी सहमति के बाद काजीकैंप क्षेत्र में रोड चौड़ी करने का काम शुरू

मेट्रो के निर्माण कार्य के चलते दिनभर लग रहा था जाम

पुराने शहर के काजीकैंप-डीआईजी बंगला क्षेत्र में चल रहे मेट्रो के निर्माण कार्य के चलते संकरे और उबड़-खाबड़ रोड से हो रही परेशानी से अब जल्द निजात मिलेगी। यहां धूल और संकरे रास्ते से आवाजाही में दिक्कत को लेकर क्षेत्रीय विधायक ने विरोध दर्ज करवाया था। मेट्रो प्रशासन ने सिंधी कॉलोनी मंदिर से काजीकैंप होते हुए डीआईजी बंगला तक सड़क चौड़ी करने का काम शुरू कर दिया है। दोनों ओर करीब 20-20 फीट चौड़ी की जा रही है। इससे ट्रैफिक व्यवस्था सुधरेगी। मेट्रो निर्माण के कारण 40 से 60 फीट चौड़ी सड़क सिमटकर 10 से 15 फीट तक रह गई है। इसके चलते रोज एक लाख से अधिक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है। निगम के अतिक्रमण अधिकारी महेश गौहर ने बताया कि सिंधी कॉलोनी से काजीकैंप होते हुए डीआईजी बंगला तक अतिक्रमण हटाना था। व्यापारियों से चर्चा की गई तो वह खुद ही अपना अतिक्रमण हटाने पर राजी हो गए। यहां सड़क निर्माण शुरू हो गया है।

व्यापारियों ने स्वेच्छा से हटाए अतिक्रमण

नगर निगम और मेट्रो अधिकारियों ने क्षेत्र के व्यापारियों से चर्चा की। इसके बाद व्यापारियों ने सहयोग दिखाते हुए अतिक्रमण हटाने की सहमति दी। पिछले तीन दिनों में 20 से अधिक व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपना अतिक्रमण हटा लिया। इसके बाद सड़क चौड़ी करने का काम शुरू किया गया।

डीआईजी बंगले के सामने खुला चैंबर, हादसे का खतरा

राजधानी के व्यस्त मार्गों में शामिल डीआईजी बंगले के सामने सड़क पर बीते कई दिनों से सीवेज चैंबर खुला पड़ा है, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार वाहन चालक इस खुले चैंबर की चपेट में आकर गिर चुके हैं और चोटिल हुए हैं। सीवेज अधिकारी आदित्य शर्मा का कहना है कि चैंबर को शीघ्र ही दुरुस्त कराया जाएगा।

किलोल पार्क के पास मस्जिद से कुछ दूरी पर बाइक ने मारी थी साइकिल में टक्कर, आंख में मिर्च झोंककर की थी लूट

डॉ. वर्मा से 11 तोला गोल्ड का कड़ा छीनने के मामले में हिरासत में संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

किलोल पार्क, मस्जिद से कुछ दूरी पर मुख्य सड़क पर डॉ. मनोज वर्मा से लूटपाट करने वाले संदिग्धों को

श्यामला हिल्स पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस की टीम हिरासत में लिए संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही लूटपाट की इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा। चलती साइकिल में बाइक से टक्कर मारने के कारण घायल मनोज वर्मा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गिरने के कारण कूल्हे की हड्डी (हिप्स बोन) में उन्हें फैक्चर हुआ है।

उल्लेखनीय है कि डॉक्टर मनोज वर्मा (50) प्रोफेसर कॉलोनी श्यामला हिल्स में रहते हैं। वे स्टेट टीबी ट्रैनिंग सेंटर में बतौर डायरेक्टर है। शुक्रवार सुबह भी वह साइकलिंग करने घर से निकले थे। बोट क्लब से साइकलिंग कर करीब दस बजे वह किलोल पार्क होते हुए घर लौट रहे थे, तभी मस्जिद से कुछ दूरी पर दो बदमाशों ने उनकी आंखों में मिर्च झोंक दी और उनके हाथ से गोल्ड का कड़ा उतार लिया। बदमाशों ने उनकी जेब से पर्स और हाथ से खड़ी भी छीन ली थी।

रैकी करने के बाद वारदात की

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल और मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार पूरी वारदात रैकी करने के बाद की गई है। डॉ. मनोज वर्मा के साथ लूटपाट की घटना की लंबे समय से रैकी की जा रही थी। इसके बाद बदमाशों ने किलोल पार्क के पास वारदात को अंजाम दे दिया।

डॉक्टरों ने कहा: डॉ. वर्मा के हमलावर बदमाशों को पुलिस जल्द करें गिरफ्तार

सीएम हाउस के पास डॉ. मनोज वर्मा पर जानलेवा हमला करके लूटपाट करने वालों आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर जीएमसी एल्युमिनी ने हमले की घोर निंदा की। शनिवार को जीएमसी एल्युमिनी के पदाधिकारियों ने बैठक कर चेतावनी दी कि अगर जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो प्रदेश भर के चिकित्सक आंदोलन करेंगे। जीएमसी एल्युमिनी की बैठक में डॉ. गुरुदत्त तिवारी, डॉ. अजय मेहता, डॉ.ललित श्रीवास्तव, डॉ. पीएस चंदेल, डॉ. इंद्र कुमार चुघ, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. दिनेश भटनागर, डॉ. योगीराज शर्मा, डॉ. कुलदीप गुप्ता, नर्सिंग होम एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, मेडिकल चिकित्सा संघ, मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन, जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन समेत चिकित्सा छात्र संघ ने डॉ. मनोज वर्मा पर हुए हमले रोष व्यक्त कर सरकार से आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की।

ट्रेन से जा रहे 165 से ज्यादा नाबालिग बच्चों को कटनी में उतारा, जांच शुरू

⏩ रेलवे सुरक्षा बल, महिला एवं बाल विकास विभाग और रेलवे के अधिकारियों ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कटनी में रेलवे सुरक्षा बल, महिला एवं बाल विकास विभाग और रेलवे के अधिकारियों को पता चला कि एक ही समुदाय के 165 बच्चे पटना-पुणे एक्सप्रेस से महाराष्ट्र जा रहे हैं। फिर अधिकारी तुरंत हरकत में आए और कटनी रेलवे स्टेशन पर सभी बच्चों को उतार लिया।

फिलहाल पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए रेल और जिला प्रशासन हर पहलू की जांच कर रहा है। ट्रेन से उतारे गए नाबालिग बच्चों में अधिकांश एक ही समुदाय से बताए जा रहे हैं, जो बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर जा रहे थे। बच्चों के परिजनों और उन्हें ले जा रहे लोगों को लेकर आरपीएफ और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम अब जांच में जुटी हुई है। सभी बच्चों को महाराष्ट्र के एक मदरसे में ले जाया जा रहा था। जैसे ही इस बात की जानकारी अधिकारियों को मिली कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 165 बच्चों को ट्रेन से उतार लिया गया। बच्चों के साथ मौजूद कई लोगों से फिलहाल गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्चों को किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में ले जाया जा रहा था। सुरक्षा के मद्देनजर सभी बच्चों को आरपीएफ थाने लाया गया है, जहां उनकी काउंसलिंग की जा रही है और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इस पूरे ऑपरेशन में महिला एवं बाल विकास विभाग और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की ओर से मनीष तिवारी, दुर्गेश शर्मा के नेतृत्व में 20 सदस्यीय अधिकारी-कर्मचारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। वहीं कटनी आरपीएफ, टीआई और जीआरपी, टीआई सहित करीब 27 पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पूरे मामले पर कटनी बाल संरक्षण अधिकारी मनीष तिवारी ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चों को एक साथ ले जाया जा रहा है। मौके पर पहुंचकर सभी बच्चों को सुरक्षित उतारा गया है। अभी उनके दस्तावेजों और अभिभावकों की जानकारी की जांच की जा रही है। बच्चों की काउंसलिंग भी कराई जा रही है। अधिकांश बच्चे एक ही समुदाय के हैं।

रोशनी से काम करेगी नई तकनीक

एम्स की रिसर्च: शरीर में जाकर खुद ट्यूमर ढूंढेंगे नैनोकण नैनो तकनीक से होगा ब्रेस्ट और लिवर कैंसर का इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एम्स के बायोकैमिस्ट्री विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. सुखेस मुखर्जी ने एक नई नैनो तकनीक विकसित की है। यह नैनोकण (इंसानी बाल से हजारों गुना छोटे) शरीर में छुपकर ट्यूमर तक पहुंचते हैं। रिसर्च में दावा किया गया है कि जैसे ही इस कण पर लाल रोशनी डाली जाती है, यह सक्रिय होकर कैंसर कोशिकाओं पर हमला शुरू कर देता है। वहीं अंधेरा होते ही दोबारा निष्क्रिय हो जाता है। डॉ. मुखर्जी के अनुसार यह खूबी ही इसे ज्यादा असरदार और कम साइड इफेक्ट वाला इलाज बनाती है।

डुअल अटैक तकनीक

इस तकनीक में लाल रोशनी का उपयोग इसलिए किया गया है, क्योंकि यह शरीर के अंदर गहराई तक पहुंच सकती है। जैसे ही रोशनी नैनोकण पर पड़ती है, यह दो तरह के कैंसर-रोधी तत्व छोड़ता है। इसमें सिंगलेट ऑक्सीजन और कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल है। ये दोनों मिलकर कैंसर कोशिकाओं को तेजी से नष्ट करते हैं। इसे डुअल अटैक तकनीक नाम दिया जा रहा है।

स्तन और लिवर कैंसर में पद्धति प्रभावी

यह तकनीक स्तन और लिवर कैंसर में अब तक की रिसर्च में प्रभावी पाई गई है। इस तकनीक की विश्वसनीयता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि इसे अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'डॉल्टन ट्रांजैक्शंस' में प्रकाशित किया गया है।

जैकेट का शेष...

रायसेन 47 देशों...

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केंद्रीय कृषि मंत्रालय एवं राज्य शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण में मदद के लिए स्वॉइल मोबाइल एप ई-फॉर्म लांच किया गया। इस एप की मदद से किसान खुद अपने खेत की मिट्टी की सेहत जांच सकेंगे। कार्यक्रम में नरवाई प्रबंधन, कस्टम हायरिंग एवं अन्य शासकीय योजनाओं के 10 क्षेत्रीय हितग्राही किसानों को मंच से हितलाभ वितरित किए।

शिवपुरी में ऑटो ...

ने चारों को मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बताया कि दूल्हे की बहन भूरिया शाक्य की लगन राजगढ़ गांव में होनी थी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। परिवार के सदस्य दुल्हन की विदाई के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे।

4 शावकों की मां बनी ...

साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी और उसने पूरी तरह प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल लिया था। मुख्य वन संरक्षक उत्तम कुमार शर्मा ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह परियोजना के मुख्य उद्देश्य चीतों को प्राकृतिक वातावरण में बसाने और उनके प्रजनन को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सफलता पर खुशी जताई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ...

बढ़ावा मिला है। अब मध्यप्रदेश चीतों के पुनरुद्धार के मुख्य केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उद्यान में 4 शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि मप्र का पर्यावरण चीतों के संवर्धन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। मध्यप्रदेश में अब तक देश में जन्में 37 सहित चीतों की कुल संख्या 57 हो गई है।

सीएम डॉ.मोहन ...

बेशर्मी की हद पार कर दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि कांग्रेस की पार्षद ने नगर निगम में वंदे मातरम गाने से इनकार किया और बड़ी बेशर्मी के साथ कहा कि मैं नहीं गाऊंगी। यह कांग्रेस का चरित्र बता रहा है। कांग्रेस पार्षद भारत माता की जय बोलने से भी मना करते हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस पर स्पष्टीकरण दें। वे बताएं कि पार्टी इस तरह के लोगों को प्रोत्साहित क्यों करती है। गौर हो कि इन दोनों महिला पार्षदों ने कहा था कि कुरान में वंदे मातरम की मनाही है। हम राष्ट्रगान गाते हैं। अब हमें कहा जाता है कि भारत में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। क्या यह कोई दादागिरी है? उन्होंने कहा कि गलत बात हम अपने पिता की भी नहीं सुनते, तो इन भाजपा वालों की क्यों सुनें। कुरान में वंदे मातरम की मनाही है, क्योंकि इबादत के लिए अल्लाह ही योग्य है। वंदे मातरम का मतलब माता की इबादत करना है। हम अपनी मां की इबादत नहीं करते, तो फिर वंदे मातरम क्यों बोलें? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है। जिसकी आत्मा राष्ट्रगीत और संविधान है।

चुप क्यों है...

सभी को इस्तीफा दे देना चाहिए। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि जब देखो तब कांग्रेसी भगवान राम की निंदा करते हैं, हिंदुओं का अपमान करते हैं। अब तो इन्होंने सीमा ही पार कर दी है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदे मातरम के 6 छंदों को लेकर पूरे देश का दिल जीत चुके हैं। लेकिन, कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र से बाहर नहीं आ पा रही। कांग्रेस ने आजादी के पहले से वंदे मातरम पर बखेड़ा खड़ा किया। उनकी सरकार ने 5 छंदों को ही गायब कर दिया था।

पेज एक का शेष...

पिछले पांच ....

थे। यह पिछले पांच दशकों में पहली बार था जब इंसानों ने चंद्रमा के पास जाकर फ्लाईबाय किया। अंतरिक्ष यात्री अपने साथ 7,000 से ज्यादा शानदार तस्वीरें लेकर पृथ्वी पर लौटे हैं। उनका स्पेसक्राफ्ट प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक उतरा, जिसे स्प्लैशडाउन कहा जाता है। यह मिशन चंद्रमा के लिए भविष्य के और बड़े अभियानों की नींव रखेगा। अब दुनिया की नजरें इस बात पर हैं कि अमेरिका मंगल तक पहुंचने के अपने इस नए लक्ष्य को कब और कैसे पूरा करता है।

अमित क्षत्रियः ...

जानकारी देने के लिए नासा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान मंच पर मौजूद शीर्ष पांच अधिकारियों में सबसे पहले बोलने का मौका अमित क्षत्रिय को दिया गया।

हमले में मारे ...

पर आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी। गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। ईरान ने पूछा है कि इन बच्चों के गुनहगार को सजा कौन देगा?

ईरान बोला- लेबनान में सीजफायर जरूरी बातचीत भी जंग का हिस्सा : ईरान ने साफ कहा है कि लेबनान में सीजफायर होना बहुत जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने बताया कि यह बात पाकिस्तान को भी बता दी गई है, जो अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत करवा रहा है। उन्होंने कहा कि जब ईरान का डेलिगेशन पाकिस्तान के नेताओं से मिला, तो लेबनान में लड़ाई रोकने की बात सबसे पहले उठाई गई। ईरान चाहता है कि वहां के हमले जल्द से जल्द बंद हों। हालांकि इजराइल ने सीजफायर के बाद भी लेबनान पर हमले जारी रखे हैं। पाकिस्तान ने कहा था कि लेबनान भी सीजफायर में शामिल है, लेकिन जमीन पर ऐसा नहीं दिख रहा।

ईरानी राजदूत ....

खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अमेरिका, पाकिस्तान की मध्यस्थता का सम्मान करेगा या नहीं, यह अभी देखना बाकी है।

महिला सहकर्मी ...

लिए सजा तय करती है। इस धारा के तहत किसी महिला को कोई निजी काम करते हुए देखना, उसकी तस्वीरें लेना या उन तस्वीरों को फैलाना शामिल है। यह उस हालात में लागू होता है जहां शरीर के निजी अंग खुले हों, कोई महिला शौचालय का इस्तेमाल कर रही हो, या कोई ऐसा यौन कृत्य कर रही हो जो आमतौर पर सार्वजनिक रूप से नहीं किया जाता। हालांकि, इसके तहत ऑफिस के माहौल में किसी को घूरना इस श्रेणी में नहीं आता। एक मामले में एक इंश्योरेंस कंपनी के एग्जीक्यूटिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उनकी एक महिला सहकर्मी ने उन पर आरोप लगाया था कि मीटिंग के दौरान वे उनसे नजरें मिलाने के बजाए उनके शरीर को घूरते थे, और साथ ही गलत टिप्पणियां भी करते थे। कोर्ट ने इस मामले में व्यक्ति के ऊपर दर्ज एफआईआर को रद्द करने का फैसला किया। जस्टिस अमित बोरकर की सिंगल जज बेंच ने कहा कि आरोप सिर्फ इतना है कि उन्होंने ऑफिस मीटिंग के दौरान महिला के सीने को घूरा था। किसी को घूरना, भले ही यह सच भी मान लिया जाए, आईपीसी की धारा 354-सी के तहत आने वाले 'ताक-झांक' के अपराध जैसा नहीं है।

आंसू गैस और ...

क्षेत्र में एक निजी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने के बाद नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची थी। टीम ने जैसे ही जेसीबी मशीन के जरिए अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की, उसी दौरान कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद एसडीएम राहुल सिलाड़िया और थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी भी पथराव की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। वहीं ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक रेखा पवार, सुषमा पांडेय और आरती चतुर्वेदी घायल हो गईं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए भेजा गया, जहां उनकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पीएम मोदी और ...

अचानक ही आमने-सामने आ गए। इस दौरान राहुल गांधी ने हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने भी हाथ जोड़कर उनके अभिवादन को स्वीकार किया। यही नहीं दोनों ही नेताओं के बीच फिर काफी देर तक बातचीत होती रही। शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती थी। इस मौके पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर खास आयोजन रखा गया। इसी मौके पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद और लोकसभा स्पीकर समेत सियासी दिग्गज पहुंचे थे। इसी समारोह में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुलाकात हुई।

12 फिट उंचे..

होगा। कार्यक्रम समन्वयक बीडी तिवारी, सुभाष पाटीदार और अरुण पांडेय के अनुसार 13 अप्रैल को समाधि पूर्ण होने के बाद कई आयोजन होंगे।

यूजीसी सचिव प्रोफेसर ...

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस विभाग में वापस लौट जाएंगे। प्रोफेसर जोशी इस विश्वविद्यालय में वर्ष 1997 से अध्यापन कार्य में लगे हुए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि यूजीसी सचिव स्वेच्छा से अपने मूल संगठन में फिर से वापस लौटना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मूल रूप से वह महाराष्ट्र से ताल्लुक रखते हैं। सत्ता के गलियारों में उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक करीबी के तौर पर देखा जाता था। यही कारण रहा कि वर्ष 2023 में उनकी यूजीसी सचिव के पद पर नियुक्ति की गई थी। विवाद सामने आने के बाद आरएसएस ने भी उनसे दूरी बना ली थी।

दुरुपयोग की आशंकाओं को लेकर था विवाद : नए नियमों में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के लिए सजा का वह प्रावधान हटा दिया गया था जो 2025 के मसौदे में मौजूद था। इससे छात्रों को डर है कि इस कानून का इस्तेमाल निजी दुश्मनी निकालने या करियर बर्बाद करने के लिए किया जा सकता है।एकतरफा जांच समितियां: नियमों के तहत बनने वाली 'समता समिति' में केवल आरक्षित वर्गों, अल्पसंख्यक, दिव्यांग और महिलाएं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य है। सामान्य वर्ग के छात्रों का कहना है कि आरोपी पक्ष का कोई प्रतिनिधित्व न होने से न्याय की निष्पक्षता प्रभावित होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

खड़ा हुआ। बीच में न्यायालय की पुराने नियमों की फिर से बहाल की तल्ख टिप्पणी भी आई। जिसकी वजह से सरकार की सार्वजनिक रूप से काफी किरकिरी हुई।

परिशिष्ट B संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ट खण्ड, भोपाल भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
एमजेसी एसयूसी/20/2026
निशा चौबे बनाम सर्वसाधारण
NEXT DATE: 17-04-2026

प्रेषिती-
सर्वसाधारण,
पता - सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी निशा चौबे ने आपके विरूद्ध एमजेसी एसयूसी /20/2026 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 09-03-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश
श्रीमती मेघा अग्रवाल
पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ट खण्ड

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, विश्वकर्मा नगर, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भवन क्रमांक एम क्र / 115 मण्डल द्वारा श्रीमती नेहा श्रीवास्तव पत्नी श्री सौरभ श्रीवास्तव के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन पंजीयक कार्यालय से दिनांक 03/08/2018 को पंजीकृत किया गया है। श्रीमती नेहा श्रीवास्तव पत्नी श्री सौरभ श्रीवास्तव द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती लता माली पत्नी श्री राजकुमार माली को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय दिया है। जिसका विक्रय विलेख का पंजीयन पंजीयक कार्यालय में दिनांक 31/03/2026 को निष्पादित किया गया है। क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, परिचय पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति श्रीमती लता माली पत्नी श्री राजकुमार माली के नाम उक्त सम्पत्ति हस्तांतरण हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।
यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, शबरी नगर, बंजारा बस्ती, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित भूखण्ड क्रमांक-15 मण्डल द्वारा श्री सुभाष भुवकतर आत्मज श्री शंकर भुवकतर के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 29/03/1995 को पंजीकृत किया गया है। श्री सुभाष भुवकतर द्वारा उक्त सम्पत्ति का मुख्तारआम श्रीमती शोभा गौड पत्नी श्री एम. एस. राना को नियुक्त कर दिनांक 03/04/1995 को पंजीकृत किया गया। उक्त मुख्तारग्रहिता द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री एम. एस. राना आत्मज श्री जी. एस. राना को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25/09/1999 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता/विक्रेता के मुख्तारआम द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री एम. एस. राना आत्मज श्री जी. एस. राना के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।
यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

।। जाहिर सूचना ।।
एक किता आवासीय भूखंड क्रमांक-341 (कार्नर) मिसरोद उपनगर चरण-2, ग्राम-सलैया भोपाल
सर्वसाधारण को सूचित करता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता मेसर्स त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन एवं डेवलपर्स द्वारा भागीदार श्री मनोज छाबड़ा पुत्र श्री दर्शन सिंह आयु वयस्क, निवासी-ई.डब्लू.एस.-463 कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल एवं श्री चंद्रकांत तेलकर पुत्र श्री पी.जी.तेलकर आयु वयस्क, निवासी-24/ए, कमला नगर, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य व मालिकाना हक का एक किता आवासीय प्लाट क्रं.-341 (कार्नर) है, जिसका खसरा क्रं.-207/1, 207/2, 220/1, 221/1, 208 का अंश भाग है, जिसका कुल क्षेत्रफल 3497 वर्गफिट अर्थात 325 वर्गमीटर है, जो कि स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना (मिसरोद उपनगर चरण-2) ग्राम-सलैया (मुख्य मार्ग से अंदर) नगर निगम वार्ड नं.-85, तहसील कोलार जिला भोपाल मे स्थित है। भूखंड की चतुर्थ दिशाए-पूर्व में-भूखंड क्र.-342, पश्चिम में-सड़क, उत्तर में-भूखंडक्र.-340, दक्षिण में-सड़क है, जिसे मेरे पक्षकार ने क्रय करने हेतु मौखिक अनुबंध कर लिया है, उक्त भूखंड को क्रय करने जा रहा है, उक्त वर्णित संपत्ति/भूखंड के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाउसिंग फाइनेंस संस्था, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या पावर आफ अटार्नी, हस्तांतरण, अंतरण इत्यादि हो तो वह व्यक्ति संस्था, बैंक, शासकीय, अर्धशासकीय कार्यालय आदि की जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा वर्णित संपत्ति/भूखंड का विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लेगा, ऐसी स्थिती में कोई भी आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।
संजय कुमार सेन अधिवक्ता सीनियर मेंबर (DBA)
भूपेन्द्र सेन/सुष्मिता सेन एडवोकेट
कार्या.214-215, 2nd फ्लोर, DBA लायर्स चेंबर
जिला न्यायालय के पीछे, अरेरा हिल्स, भोपाल
9827381331, 7509366230

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, गौहरगंज, जिला रायसेन, मध्यप्रदेश
गौहरगंज, दिनांक 4 फरवरी 2026
प्रारुप क्र. 5
[देखें नियम-5(1)]
[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 के नियम 5(1) के द्वारा]
लोक न्यासों के पंजीयक गौहरगंज जिला के समक्ष,
क्र.-221-रीडर-2026.- यतः मुझे यह प्रतीत होता है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपत्ति मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा 2 की उपधारा (4) के आशय के अधीन लोक न्यास का गठन करती है:
अब. इसलिये, मैं, चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, लोक न्यासों का पंजीयक गौहरगंज, जिला रायसेन मेरे न्यायालय में 2026 के फरवरी के 04 दिवस पर कथित अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) यथाअपेक्षित, मामले में जाँच करने को प्रस्तावित करता हूँ एतद्द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि कथित न्यास या संपत्ति का कोई न्यासी या कार्यकारी न्यासी या इसमें हितबद्ध कोई व्यक्ति और आपत्ति या सुझाव देने का आशय रखने वाले को दो प्रतियों में इस सूचना पत्र के प्रकाशन की तारीख से एक माह की भीतर लिखित कथन प्रस्तुत करना चाहिए और मेरे समक्ष उपरोक्त तारीख पर या तो व्यक्तिश : अथवा प्लीडर या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होना चाहिए, उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरात प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जाएगा-
अनुसूची
(लोक न्यास का नाम और पता व सम्पति का विवरण)
1 ट्रस्ट का नाम - श्री राम जानकी मंदिर
2 कार्यालय का पता - श्री राम जानकी मंदिर आशापुरी, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन
3 चल सम्पत्ति - निरंक
4 अचल सम्पत्ति - निरंक
चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, पंजीयक एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा)

Phone No. 07578-292027 Fax No. 07578-299441
कार्यालय मुख्य अधिशासी अधिकारी
OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER
छावनी परिषद पचमढ़ी
MINISTRY OF DEFENCE, GOVERNMENT OF INDIA
क्रमांक 40/पी.डब्लू./ पार्किंग/157 **निविदा सूचना** **दिनॉक:- 10/04/2026**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि छावनी परिषद पचमढ़ी छावनी क्षेत्र के निम्न स्थानो को वाहन पार्किंग हेतु 01 वर्ष किराये पर देने के लिये निविदा defproc.gov.in पोर्टल पर आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधी विवरण एवं नियम एवं शर्तें defproc.gov.in साईट पर प्रकाशित की जायेगी।

क्र.	विवरण	शासकीय न्यूनतम राशि	अमानत राशि	टेण्डर फार्म कीमत
1	1. ओल्ड मटन मार्केट के पीछे वाला मैदान 2. होटल इन्द्रप्रस्थ के बाजू वाला मैदान 3. होटल गुरुकृपा के सामने वाला मैदान 4. केन्द्रीय विद्यालय के सामने वाला मैदान 5. होटल हाईलेण्ड के सामने वाला मैदान (शिवरात्रि एवं नागपंचमी मेला छोडकर) 6. छावनी बस स्टेण्ड वाला मैदान 7. पिपरिया मार्ग तिलक गंज प्रवेश मार्ग से गोपाल गंज प्रवेश मार्ग (शिवरात्रि एवं नागपंचमी मेला छोडकर)	रु. 1550000.00	रु. 100000.00	रू. 2000.00

क्रमांक	विवरण	दिनांक	समय
1	टेंडर प्रकाशन की तिथि	10/04/2026	17:00 बजे
2	टेंडर की तकनीकी विड ऑन लाईन जमा करने की अंतिम तिथि	17/04/2026	17:00 बजे

राहुल गजभिये, भा.र.सं.से.
मुख्य अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद पचमढ़ी

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधु चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 94255 82641 (630)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
R- 31/03/26 to 17/05/26 not 03,14/04/26, 01/05/26

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार** विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6193

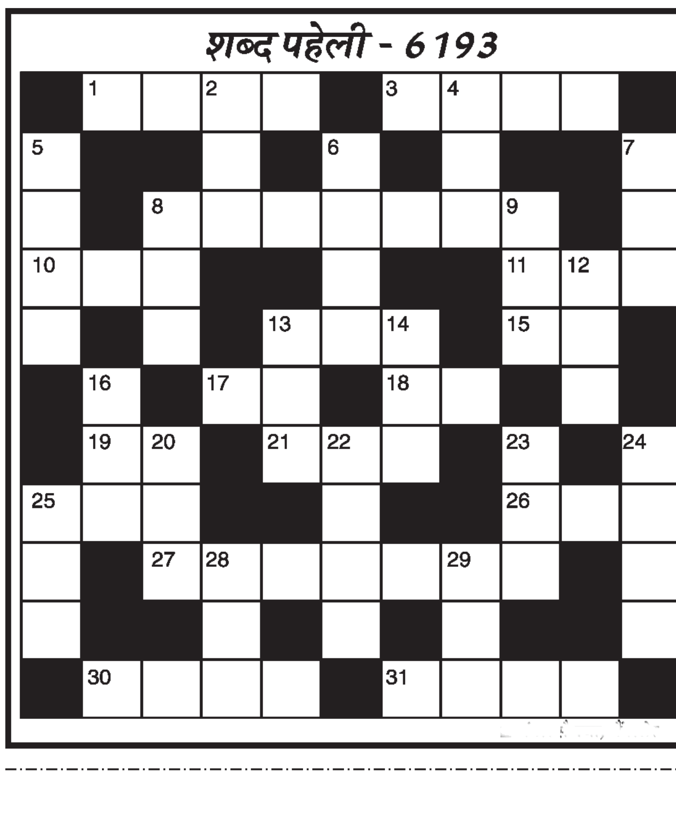

बाएँसेदाएं
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6192 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	या
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 6203

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6202 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के जबलपुर के हिमांशु बने अध्यक्ष

शासन और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु बनकर कार्य करूंगाः खरे

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश के प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत की शीर्षस्थ संस्था फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष पद पर हिमांशु खरे के निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनके अध्यक्ष बनने पर प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत में हर्ष और नई आशाओं का वातावरण है। उनके नेतृत्व से उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र को नई दिशा मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है। जबलपुर स्थित उद्योगपति हिमांशु खरे के अनुभव दूरदर्शिता एवं सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए व्यापारी एवं उद्योगपति आशांवित हैं कि वे प्रदेश के आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगे। इस अवसर उन्होंने बताया कि वे उद्योग एवं व्यापार जगत की अपेक्षाओं को पूर्ण करने हरसंभव प्रयास करेंगे। हिमांशु खरे ने बताया कि फेडरेशन की प्राथमिकताओं के बारे में कहाकि प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान करना, औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए अनुकूल नीतियों का निर्माण और बुनियादी अधोसंरचना के ढांचे में सुधार के प्रयास पर विशेष जोर दिया जाएगा।

हिमांशु खरे

फेडरेशन प्रदेश के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

प्रदेश के उद्योग एवं व्यापारिक संगठनों ने विश्वास व्यक्त किया है कि हिमांशु खरे के नेतृत्व में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री प्रदेश के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और मध्यप्रदेश को एक अग्रणी औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास होंगे। इस अवसर पर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक व्यापारिक संस्थाओं ने हिमांशु खरे को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

विशेष योजनाओं का क्रियान्वयन, प्रक्रियाओं को सरल एवं डिजिटल बनाने पर दिया जाएगा जोर

खरे ने कहाकि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाओं का क्रियान्वयन और व्यापारियों से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल एवं डिजिटल बनाना एजेंडा में शामिल है। उन्होंने कहा कि वे शासन एवं उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु बनकर कार्य करेंगे और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाएंगे।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट रिपोर्ट : टॉप रिक्टर्स द्वारा 2026 में 4700 प्लस ऑफर....

हरिभूमि न्यूज ⏭ नोएडा

गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने 2026 बैच के लिए 4700 प्लस प्लेसमेंट ऑफर के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। इससे करियर-संचालित शिक्षा और इंडस्ट्री की तैयारी के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थिति को दर्शाया है। विश्वविद्यालय में टॉप रिक्रूटर्स की मजबूत भागीदारी लगातार जारी है, जो इसके मजबूत एकेडमिक इकोसिस्टम को दर्शाता है और रोजगार सक्षमता पर ध्यान केंद्रित करता।

इंफोसिस, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट, सिटी यूनियन बैंक, एलटीएम, एक्सेंचर और ईवाई जैसे प्रमुख ऑर्गेनाइजेसंस ने इस विश्वविद्यालय से बड़ी संख्या में छात्रों की भर्ती की है, जो यहां के प्लेसमेंट की कसौटी और निरंतरता को प्रदर्शित करता है। प्लेसमेंट ड्राइव कौशल-आधारित लर्निंग और वास्तविक दुनिया की अपेक्षाओं के माध्यम से शिक्षाविदों और इंडस्ट्री के बीच की खाई को पाटने की संस्थान की क्षमता को उजागर करता है।

कई छात्रों को आए 15 लाख से 26.6 लाख रु. सालाना नौकरी के प्रस्ताव

विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट रिकॉर्ड बताते हैं कि वर्तमान वर्ष के लिए उच्चतम पैकेज 60 लाख रुपये सालाना दर्ज किया गया है। इसके अलावा, कई अन्य छात्रों को उच्च प्रतिष्ठा वाली कंपनियों से 15 लाख से 26.6 लाख रुपये सालाना के बीच नौकरी के प्रस्ताव मिले। अपने इंडस्ट्री-संचालित एकेडमिक इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने सिस्को, टाटा टेक्नोलॉजीज, वीवो, सेल्सफोर्स, एलएंडटी और एचपी-इंटेल जैसी प्रमुख कंपनियों के सहयोग से कई उद्योग एकीकृत शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना की है। ये केंद्र छात्रों को व्यावहारिक अनुभव, इंडस्ट्री के अनुकूल ट्रेनिंग, एडवांस टेक्नोलॉजीज और प्रैक्टिकल लर्निंग के अवसर प्रदान करते हैं जो प्रभावी रूप से वास्तविक दुनिया के एप्लीकेशंस के साथ एकेडमिक नॉलेज को जोड़ते हैं।

यह उपलब्धि दर्शाती है शैक्षणिक गुणवत्ता और पेशेवर उत्कृष्टता को

विश्वविद्यालय ने बिग 4 में 80 से अधिक ड्रीम ऑफर भी दर्ज किए हैं, जिसमें छात्रों ने डेलॉयट, ईवाई, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी जैसी प्रमुख वैश्विक फर्मों में अवसर हासिल किए हैं। यह उपलब्धि गलगोटियाज के स्टूडेंट्स की इंडस्ट्री के लिए मजबूत तैयारी, शैक्षणिक गुणवत्ता और पेशेवर उत्कृष्टता को दर्शाती है। उपलब्धियों की सूची में जुड़ते हुए बीटेक (एआइ और एमएल) बैच से निकिता और याशिका जैन को लिंक्डइन कोचइन प्रोग्राम 2026 के लिए चुना गया है। सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहाकि गलगोटियाज विश्वविद्यालय में हमारा ध्यान हमेशा सही कौशल, मानसिकता और वैश्विक प्रदर्शन से लैस भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों को बनाने पर रहा है। हमारे स्टूडेंट्स द्वारा हासिल किए गए उल्लेखनीय प्लेसमेंट परिणाम और अंतरराष्ट्रीय अवसर एकेडमिक उत्कृष्टता और इंडस्ट्री के साथ तालमेल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

मल्टीडिसिप्लिनरी लिवर एवं जीआई इंस्टीट्यूट का शुभारंभ

कोलकाता। पूर्वी भारत में विशेष स्वास्थ्य सेवा में शामिल मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास ने अपने इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड डाइजेस्टिव डिसऑर्डर्स एंड लिवर केयर सेंटर की शुरुआत की है। उन्नत गैस्ट्रो एवं लिवर केयर के लिए एक समग्र केंद्र के रूप में डिज़ाइन किया गया यह संस्थान अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स, विशेषज्ञों द्वारा संचालित बहु-विषयक देखभाल और लिवर ट्रांसप्लांट सेवाओं सहित जटिल उपचारों को एकीकृत प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। इस मौके पर डॉ. सुमंता डे, सीनियर कंसल्टेंट एवं एचओडी-रोबोटिक, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक, बैरियाट्रिक एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास, डॉ. जयंत रेड्डी, लीड कंसल्ट सर्जन एवं हेड एचपीबी सर्जरी, मल्टी-ऑर्गन एब्डॉमिनल ट्रांसप्लांट एवं हेपेटोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स, बेंगलुरु, डॉ. संजय बसु, डॉ. अयनाभ देबगुप्ता, रीजनल डायरेक्टर, ईस्ट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रांसपोर्ट संगठन के प्रतिनिधिमंडल की उपमुख्यमंत्री शुक्ल से मुलाकात

ट्रकों में वीएलटीडी की अनिवार्यता समाप्त और नेशनल परमिट प्रक्रिया बहाली की मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

ट्रक ऑपरेटर संगठन इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात कर ट्रकों में वीएलटीडी की अनिवार्यता समाप्त और नेशनल परमिट की प्रक्रिया बहाल करने की मांग की और ज्ञापन सौंपा।

इस मौक पर अध्यक्ष अमरजीत सिंह बग्गा, चेयरमैन राजेंद्र त्रेहान आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी चेयरमैन सीएल मुकाती, विजय कालरा, ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट मोटर कांग्रेस, मध्यप्रदेश चेयरमैन हरीश डाबर आदि मौजूद रहे। संगठन के प्रतिनिधिमंडल के अनुसार व्यापारिक मंदी एवं आर्थिक बोझ वर्तमान में मध्य-पूर्व के युद्ध हालातों के कारण वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर हमारे देश और प्रदेश के ट्रांसपोर्ट व्यवसाय पर पड़ा है। व्यापार में छाई इस मंदी के बीच, 1 अप्रैल 2026 से ट्रकों में वीएलटीडी अनिवार्य करने से ट्रक मालिकों पर भारी आर्थिक बोझ बढ़ गया है। विभाग द्वारा 'आम जनता की सुरक्षा' का तर्क देकर इसे अनिवार्य किया गया है। आम जनता बसों में सफर करती है, ट्रकों में नहीं। सार्वजनिक सेवा वाहनों (बसों) में इसकी उपयोगिता समझी जा सकती है, किंतु मालवाहक ट्रकों में इसकी अनिवार्यता से आम जनता को सुरक्षा कैसे प्राप्त होगी, यह समझ से परे है।

ज्ञापन सौंपते हुए

लुटेरे वीएलटीडी सिस्टम को हैक कर ट्रक की लाइव लोकेशन कर सकते हैं ट्रैक

प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि डिजिटल असुरक्षा एवं लूट का भय ट्रकों में वीएलटीडी लगाना माल परिवहन की सुरक्षा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जिस प्रकार वर्तमान में बैंकिंग फ्रॉड और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। उसी प्रकार अपराधी और लुटेरे वीएलटीडी सिस्टम को हैक कर ट्रक की लाइव लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं। इससे राजमार्गों पर ट्रक चालकों की जान और करोड़ों रुपए के माल की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होगा।

ओडिशा उच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों द्वारा निर्माताओं को एम्पैनल्ड करने पर प्रतिबंध लगाया

न्यायिक एवं अन्य राज्यों का संदर्भ उड़ीसा उच्च न्यायालय ने भी राज्य सरकारों द्वारा निर्माताओं को एम्पैनल्ड करने पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही, राजस्थान सरकार ने हाल ही में ट्रक मालिकों की समस्या को समझते हुए नेशनल परमिट बनाने की व्यवस्था पुनः सुचारू रूप से चालू कर दी है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि सुरक्षा खतरों और आर्थिक मंदी को देखते हुए ट्रकों के लिए वीएलआईडी की अनिवार्यता तत्काल समाप्त की जाए और नेशनल परमिट जारी करने की व्यवस्था को पूर्ववत बहाल किया जाए साथ ही इसे केवल लोक सेवा वाहनों (बसों) तक ही सीमित रखा जाए। अतः अनुरोध है कि ट्रकों के लिए वीएलआईडी की अनिवार्यता तत्काल समाप्त की जाए ।

एनबीबीएल के 'बैंकिंग कनेक्ट' प्लेटफॉर्म से जुड़ा एक्सिस बैंक

वाणिज्य डेस्क ⏭ भोपाल

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) ने घोषणा की है कि देश के प्रमुख निजी बैंकों में से एक एक्सिस बैंक अब उसके 'बैंकिंग कनेक्ट' प्लेटफॉर्म से जुड़ गया है।

इस जुड़ाव के बाद बैंक के 3.7 करोड़ ग्राहकों को भारत के 4,800 से अधिक व्यापारियों के यहां तेज और आसान भुगतान का अनुभव मिलेगा। इससे भुगतान की प्रक्रिया पहले से ज्यादा सरल और सुविधाजनक हो जाएगी। एनबीबीएल की एमडी और सीईओ नूपुर चतुर्वेदी ने कहाकि अब 'बैंकिंग कनेक्ट' प्लेटफॉर्म देश के आठ प्रमुख बैंकों के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, जिनमें भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। इसके साथ ही यह प्लेटफॉर्म 11 भुगतान सेवा प्रदाताओं से भी जुड़ा हुआ है। इस बढ़ते दायरे से साफ है कि यह प्लेटफॉर्म तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और इसे अपनाना आसान है। यह व्यवस्था धीरे-धीरे ऐसी बैंकिंग प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जहां अलग-अलग बैंकों के बीच भुगतान आसानी से और एक समान तरीके से हो सके, जिससे सभी जुड़े पक्षों को अधिक सुविधा और बेहतर कार्यक्षमता मिलती है। बैंकिंग कनेक्ट धीरे-धीरे पूरे सिस्टम में नेट बैंकिंग भुगतान के तरीके को बदल रहा है।

एक्सिस बैंक ने एफएचआरएआई के साथ की साझेदारी

एक्सिस बैंक ने देश के हॉस्पिटैलिटी उद्योग के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुए इस समझौते के तहत एक्सिस बैंक को एफएचआरएआई के देशभर में फैले सदस्य नेटवर्क के साथ अधिक करीब से काम करने का अवसर मिलेगा। इससे होटल, रेस्तरां और पर्यटन से जुड़े विभिन्न व्यवसायों के साथ सहयोग और मजबूत होगा।

बिजनेस न्यूज

एलएनसीटी कॉलेज में अहेड डॉट एआई प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

भोपाल। एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस और एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा शनिवार को एक भव्य कार्यक्रम में अहेड डॉट एआई प्लेटफॉर्म का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के आर्यभट्ट ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। अहेड डॉट एआई को प्रत्येक भारतीय के लिए एक 'करियर कंपैनियन' के रूप में पेश किया गया है। यह एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग करके छात्रों और पेशेवरों को उनके करियर संबंधी निर्णय लेने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य करियर की यात्रा को सशक्त और रूपांतरित करना। करियर चयन की प्रक्रिया को एआई के माध्यम से आधुनिक बनाना। अहेड डॉट एआई के साथ विशेष सहयोग में किया गया। आज की आधुनिक एआई शिक्षा प्रणाली भविष्य की दिशा में छात्रोंके लिए यह एक अनोखी सुविधा है जिस से हर भारतीय को अपना मन चाहा करिअर मिलना सुनिश्चित हो पायेगा ऐसा इसके निर्माता, आशीष श्रीवास्तव ने आशा व्यक्त की इनोवेशन में सफल पृष्ठभूमि रखने वाले आशीष एवं शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी डॉ.अनुपम चौकसे एलएनसीटी समूह के सेक्रेटरी द्वारा एमओयू किया गया तथा छात्रों को सफल उपयोग एवं अभ्यास के लिए उद्बोधन देकर प्रेरित किया। डॉ.मुकेश नरूला डायरेक्टर आईटी के मार्ग दर्शन में हजार से अधिक छात्रों ने इस ऍप का डेमोंस्ट्रेशन सीखा यह एलएनसीटी समूह के छात्रों के लिए भविष्य को निर्धारित करने का उत्तम अवसर रहेगा।

मध्यांचल यूनिवर्सिटी में टेक्नो-कल्चरल फेस्ट इंसिग्निया 2026 का समापन

भोपाल। मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय टेक्नो-कल्चरल फेस्ट इंसिग्निया 2026 का समापन समारोह आज अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एससी चौबे उपस्थित रहे, वहीं विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समापन समारोह के दौरान प्रो-चांसलर ने छात्रों को प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। महोत्सव में 1500 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फेस्ट के अंतर्गत गली क्रिकेट, खेलो-जीतो, चेस, कैरम, क्रेजी पूल, स्नेक एंड लैडर, ट्रेजर हंट जैसे खेलों के साथ-साथ सिंगिंग, डांसिंग, फैशन शो, फेस पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक और फोटोग्राफी जैसी सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। वहीं टेक्निकल इवेंट्स में रोबो रेस, सर्किट डिबगिंग, प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन, थिंक टैंक और क्विज प्रतियोगिता ने छात्रों की तकनीकी दक्षता को प्रदर्शित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 2.5 लाख तक के पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में छात्रों की ऊर्जा, रचनात्मकता और टीम भावना देखने लायक रही।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने पहली तिमाही में बेची 4,567 कारें

नई दिल्ली । बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने वर्ष 2026 की पहली तिमाही में अब तक की सबसे अधिक कार बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने कुल 4,567 कारें बेचीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17 फीसदी से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। वर्ष की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही, जहां हर महीने ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया। हरदीप सिंह बरार, प्रेसिडेंट और सीईओ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहाकि बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2026 की शुरुआत बेहद मजबूत स्थिति से की है। हमने पहली तिमाही में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है, वह भी वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद। भारत में लग्जरी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में हमारी लीड हमारे ग्राहकों के भरोसे का परिणाम है। 2026 में हमारा सबसे बड़ा प्रोडक्ट ऑफेंसिव होगा, जिसमें 27 नए लांच शामिल हैं।

डॉ. सोनिया ने किया डाबर रेड पेस्ट के इस्तेमाल पर ज़ोर

नई दिल्ली। पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री पीएचडी,एमडीएस, डॉ. सोनिया दत्ता ने रोजाना की ओरल हाइजीन को बेहतर बनाने के लिए डाबर रेड पेस्ट जैसे भरोसेमंद समाधानों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया हैं, जो आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक बेहतरीन मेल है। उन्होंने कहाकि हालांकि ओरल हेल्थ जो दुनिया भर में सबसे आम समस्याओं में से एक है अक्सर पुरानी आदतों के भरोसे ही छोड़ दी जाती है। उन्होंने कहाकि फिटनेस या वजन में होने वाले बदलावों के विपरीत, दांतों की शुरुआती समस्याएं हमेशा तुरंत दिखाई नहीं देतीं। दांतों में गंदगी का जमा होना (प्लाक), इनेमल का घिसना और मसूड़ों की शुरुआती सूजन अक्सर बिना किसी दर्द के बढ़ती रहती है।

एलपीजी कालाबाजारी पर एक्शन, केंद्र सरकार बोली

देशभर में1.2 लाख छापे और 53 वितरक सस्पेंड

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट के बीच घरेलू स्तर पर एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने प्रवर्तन कार्रवाइयां काफी तेज कर दी हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि गैस आपूर्ति में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ अब तक देश भर में 1.2 लाख से अधिक छापे मारे जा चुके हैं और तेल विपणन कंपनियों ने अचानक निरीक्षण की गति बढ़ा दी है।

सुजाता शर्मा के बयान के अनुसार इन सघन छापों के दौरान 57,000 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं, 950 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं और 229 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सख्त कदम उठाते हुए 2100 से अधिक कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 204 एलपीजी वितरकों पर भारी जुर्माना लगाया है और 53 वितरकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। केवल 9 अप्रैल 2026 को ही देशभर में 3800 से अधिक स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें लगभग 450 सिलेंडर जब्त किए गए।

950 से अधिक एफआईआर दर्ज

एलपीजी की 95 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज़्यादा खरीदारी न करें और जिम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें। मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मजबूती का ज़िक्र करते हुए मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबंधन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुंचती रहे। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सएप और मोबाइल एप के जरिए बुकिंग करते हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें।

बीआईएस के उद्योग संवाद को जीआईए में मिला प्रोत्साहन

भोपाल। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भोपाल शाखा कार्यालय द्वारा गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईए) कन्वेंशन हॉल में निर्माताओं, व्यापारियों, एमएसएमई, आपूर्तिकर्ताओं, लाइसेंस धारकों एवं गैर-लाइसेंस धारकों के लिए एक उद्योग संघ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्योगों को बीआईएस की गतिविधियों, मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन तथा प्रमाणन प्रणाली में हुए नवीनतम परिवर्तनों के संबंध में जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मोहम्मद रिजवान, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस ने जीआईए के सचिव और अन्य प्रतिभागियों की उपस्थित में किया । उन्होंने इस मौके पर बीआईएस की भूमिका पर प्रकाश डाला और उद्योगों से गुणवत्ता मानकों को अपनाने तथा उपभोक्ता हितों की रक्षा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान मानकीकरण की प्रक्रिया, अनुरूपता मूल्यांकन, हालिया परिवर्तन, सैंपलिंग प्रक्रिया, बीआईएस केयर ऐप, हॉलमार्किंग, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर मानक चिह्न, प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों को विभिन्न योजनाओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसो. कार्यालय में मौजूद उद्यमी

बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में 14 मार्च 'आंबेडकर जयंती' पर अवकाश घोषित

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी पत्र के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती (14 अप्रैल 2026) मंगलवार को अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियां, वित्तीय संस्थान एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश को वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने सभी सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों पर भी लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र के कर्मचारियों में प्रसन्नता का माहौल है।

गौरतलब है कि इस निर्णय पर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस, मध्य प्रदेश के कोऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने समस्त बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय क आभार मानते हुए कहाकि यह निर्णय देश के महान संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है तथा बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति भी है। शर्मा ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर इसी प्रकार सकारात्मक निर्णय लिए जाते रहेंगे।

सैमसंग और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 एफई और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है।

यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर 'क्विक शेयर' के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज, गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फ्लिप7, गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेडफ्लिप6 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी।

सैमसंग ने पेश किया 'बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीजर' रेफ्रिजरेटर

सैमसंग ने अपने 'बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीजर' रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोक डिजाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉरमेंस का बेहतरीन मेल है। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा कि रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ आते हैं।

भारत में हो रही है पेट केयर अर्थव्यवस्था में वृद्धि

नई दिल्ली। पेट्स को सभी प्यार करते हैं। उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं। उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आईबीईएफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहां पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हो रही है। पेट केयर में बल्कि न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई।

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज़्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण अंजाम दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने मे आए।

इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देश में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी। गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है। इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है।

इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।

शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराज़गी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

खाड़ी में सीजफायर के भविष्य पर उठ रहे सवाल

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका और ईरान के बीच भले 14 दिनों का अस्थायी सीजफायर हो गया है, लेकिन अभी भी मिडिल ईस्ट में तनाव जारी है। सीजफायर की घोषणा होने के बाद जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है और लेबनान पर हमला हुआ है, उससे सीजफायर के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।

संघर्ष विराम पर अमेरिका और ईरान अलग-अलग दावे कर रहे हैं। इस फैसले के बाद उम्मीद थी कि कम से कम दो हफ्ते के लिए ही सही, लेकिन इस क्षेत्र में शांति आएगी, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। कूटनीतिक पहल के बावजूद, ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और अमेरिका-इजराइल के साथ चल रहे तनाव सहित प्रमुख विवाद अभी तक हल नहीं हुए हैं। यही वजह है कि ईरान होर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश में है। इधर इजराइल की ओर से लेबनान पर कहर बरपाया जा रहा है। खाड़ी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां अभी भी जारी हैं और युद्ध से जुड़े प्रमुख मुद्दे फिलहाल अनसुलझे हैं, इसलिए स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह सीजफायर स्थायी शांति की ओर बढ़ेगा या सिर्फ एक अस्थायी विराम साबित होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि अगर ईरान समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ, तो बड़े हमले फिर शुरू हो सकते हैं। दूसरी ओर ईरान ने भी स्पष्ट किया है कि यह युद्ध खत्म नहीं हुआ है, बल्कि सिर्फ रोका गया है।

जाहिर है, सीजफायर के लिए ईरान ने अमेरिका के सामने जो 10 शर्तें रखी हैं, उनमें से हो सकता है कि कुछ पर सहमति बन जाए लेकिन ईरान सभी शर्तों को मनवाने पर अड़ा रहा तो सीजफायर के आगे बढ़ने पर संदेह है और इससे होर्मुज संकट भी जस का तस रहेगा। इन 10 शर्तों में एक शर्त ऐसी है जिस पर अमेरिका कभी राजी नहीं होगा। वह शर्त यह है कि मध्य पूर्व में अमेरिका के जितने भी सैन्य बेस हैं, वहां से वह निकल जाए। यानी मध्य पूर्व में सैन्य रूप में अमेरिका का कोई फुट प्रिंट्स ईरान देखना नहीं चाहता। सवाल है कि क्या

मध्य पूर्व में सैन्य रूप में अमेरिका का कोई फुट प्रिंट्स ईरान देखना नहीं चाहता। सवाल है कि क्या अमेरिका ऐसा करेगा तो जवाब होगा, बिल्कुल नहीं।

अमेरिका ऐसा करेगा तो जवाब होगा बिल्कुल नहीं। अमेरिका कभी भी मध्य पूर्व से नहीं निकलेगा। बाकी शर्तों में ईरान पर हमला न करने, नुकसान की भरपाई करने, अपने ऊपर से प्रतिबंध हटाए जाने, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने सहित अन्य शर्तें शामिल हैं। इन शर्तों में से कुछ को अमेरिका यदि मान भी लेता है तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि इजराइल भी इसके लिए तैयार होगा। ईरान से असली खतरा इजराइल को है, न कि अमेरिका को। साफ है, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर में एक नहीं कई अड़चनें हैं और इनमें से सबसे बड़ी वजह भरोसे की कमी और अविश्वास है। अमेरिका और इजराइल दोनों ईरान पर भरोसा नहीं करते और ईरान इन दोनों मुल्कों पर। ईरान यह पहले देख चुका है कि बातचीत का झांसा देकर पहले भी उस पर दो बार हमला किया जा चुका है।

अमेरिका और इजराइल को लगता है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम के नाम पर अपना न्यूक्लियर हथियार तैयार कर रहा है। दूसरा, इस सीजफायर वार्ता में न तो इजराइल शामिल है और न मध्य पूर्व का कोई देश। ईरान ने इजराइल के अलावा सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन सहित खाड़ी के कई देशों पर हमले किए हैं। ये देश इस युद्ध में हिस्सेदार हैं लेकिन उन्हें इस महत्वपूर्ण बातचीत का हिस्सा नहीं बनाया गया है। सीजफायर के लिए ईरान की 10 शर्तों में खाड़ी देशों का कोई जिक्र नहीं है। बिना इनकी राय और रजामंदी के कोई स्थायी सीजफायर मुमकिन नहीं है। इतिहास बताता है कि मध्य पूर्व में शांति समझौते अक्सर अस्थायी साबित होते हैं। यह सीजफायर भी कई शर्तों और अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। अगर शर्तों पर सहमति नहीं बनती, तो यह सिर्फ एक छोटा सा विराम साबित होगा और जंग फिर भड़क सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह 14 दिन का सीजफायर सिर्फ एक सैन्य समझौता नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, कूटनीति और आर्थिक हितों का जटिल मेल है। इसमें पाकिस्तान की भूमिका, चीन का दबाव, इजराइल की शर्तें और भारत के हित सब मिलकर इस कहानी को और भी जटिल बना देते हैं। ऐसे में अब सबकी नजरें आने वाले दिनों पर टिकी हैं। क्या यह सीजफायर स्थायी शांति में बदलेगा या फिर एक और बड़े युद्ध का संकेत बनेगा, यह तय करेगा मध्य पूर्व का भविष्य और दुनिया की दिशा।

भारत ने कूटनीति से पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

दृष्टिकोण

उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिकी और इजराइली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है।

इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था, लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही को ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रुख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। भारत ओमान की खाड़ी

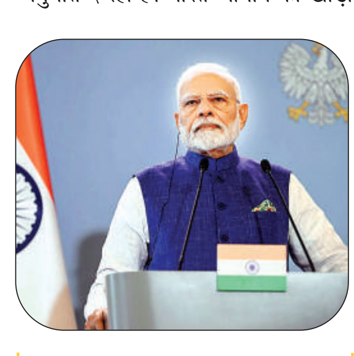

भारतीय रिफाइनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। अतः जैसी महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी।

से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुना ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस और मलेशिया के प्रधानमंत्री से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है।

महंगाई बढ़ने से लोगों के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

खबर संक्षेप

किसान सम्मेलन में शामिल होने किसान रायसेन रवाना

तामोट। किसान सम्मेलन में शामिल होने के लिए भाजपा नेत्री राधा कुशवाहा के नेतृत्व में तामोट एवं बीलखेड़ी के कई किसान रायसेन के लिए रवाना हुए।

जैन धर्मालंबियों की वार्षिक स्वाध्याय परीक्षा आज

औबेदुल्लागंज। जैन धर्मालंबियों की धार्मिक पाठ्यक्रम द्वादश वर्षीय स्वाध्याय पाठ्यक्रम सांगानेर के तत्वावधान में वार्षिक परीक्षा रविवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, परीक्षा केंद्र 159 औबेदुल्लागंज में दोपहर 2 बजे आयोजित हो रही है। परीक्षा में औबेदुल्लागंज, मंडीदीप के प्रथम से लेकर अष्टम वर्ष के स्वाध्याई परीक्षा देंगे। केंद्र संयोजक मनोज जैन इजारदार ने जानकारी दी है कि परीक्षक आर्जव भैया, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर राजस्थान से परीक्षक के रूप में आ रहे हैं। सभी परीक्षार्थी परीक्षा के निर्धारित समय से 30 मिनट पूर्व अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

सद्गुरू स्वामी भगत प्रकाश 5 दिन भोपाल में

संतनगर। बैरागढ़ में परमपिता जगदीश्वर भगवान लक्ष्मीनारायण व परम पूज्य प्रेम प्रकाश मण्डलाचार्य

ब्रहनिष्ठ सद्गुरू स्वामी टेऊंराम महाराज के श्री मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा व प्रेम प्रकाश आश्रम मण्डलाध्यक्ष स्वामी भगत प्रकाश महाराज की अध्यक्षता में 13 अप्रैल सोमवार से 17 शुक्रवार तक प्रेम प्रकाश मण्डल आश्रम एमपीईबी ऑफिस के पास संत हिरदाराम नगर में मनाया जाएगा। सोमवार को प्रातः 8 से 10 बजे तक श्री प्रेम प्रकाश ग्रन्थ व श्री मद्भागवत गीता के पाठों एवं प्रवचन आरती होगी। इसके अलावा रोज सुबह एवं शाम को सद्गुरू स्वामी भगत प्रकाश महाराज अपनी संत मंडली के साथ सत्संग और प्रवचन देंगे।

हर्षोल्लास से मना रहे खालसा पंथ का 327वां वर्ष

औबेदुल्लागंज। नगर में खालसा पंथ का 327वां साल हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गुरुद्वारा संत बाबा श्री संतोष सिंह जी भजनगढ़, औबेदुल्लागंज में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अखंड पाठ का शुभारंभ 27 मार्च हुआ, जो 14 अप्रैल तक जारी रहेगा। समापन पर कीर्तन एवं कथा के बाद लंगर वितरण किया जाएगा।

ड्रग पेडलर गिरफ्तार 2.75 ग्राम एमडी जब्त

भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने करिश्मा पार्क के पास से ड्रग पेडलर को गिरफ्तार कर उसके पास से 2.75 एमडी ड्रग्स जब्त किया है। आरोपी ड्रग पेडलर को पुलिस ने एक दिन की रिमांड पर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है कि उक्त एमडी ड्रग्स कहां से लाया था और किसे बेचने की फिराक में था। हालांकि अब तक की पूछताछ में पता चला कि वह केवल डिलेवरी का पैसा लेकर ड्रग्स पहुंचाता था। पूछताछ में आरोपी की पहचान समीर खान पिता अबरार खान (19) रशीदिया स्कूल के पास बरखेड़ी बताया। पुलिस आरोपी से एमडी के बारे में पूछताछ कर रही है।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	679	28	468
रात:	246	23	490
तारा:			
दिन:	337	39	388
रात:	124	73	580

पार्किंग में ठेला लगाने वाले युवक को दो दिन पहले अतिक्रमण अमले ने दी थी सूचना

10 नंबर मार्केट में अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे युवक ने खुद को लगाई आग, मौके पर मौजूद लोगों ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के दस नंबर मार्केट में शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में एक युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। इससे मार्केट में हडकंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुंरत आग बुझाकर उसे बचाया और तत्काल अस्पताल भेजा गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। शहर में बीते कई दिनों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

इसी के तहत निगम का अमला दस नंबर मार्केट से अतिक्रमण हटाने अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया के साथ पहुंचा था। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से नाराज एक युवक विरोध स्वरूप अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। इससे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी

अतिक्रमण हटाने का विरोध करता युवक।

का माहौल बन गया और व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। हालांकि निगम की ओर से दो दिन पहले अतिक्रमण करने वालों को स्वेच्छा से अपने कब्जे हटाने की जानकारी दे दी गई थी, लेकिन जब कब्जे नहीं हटे तो अमला कार्रवाई के लिए पहुंचा। हालांकि कुछ दुकानदारों का आरोप है कि कार्रवाई केवल कुछ दुकानों को चिन्हित कर की जा रही है, जिससे पक्षपात के आरोप लग रहे हैं। इस संबंध में जानकारी के लिए अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया और शैलेंद्र भदौरिया से मोबाइल पर संपर्क करने प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने काल अटैंड नहीं किए। दस नंबर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया कि मार्केट में अतिक्रमण की समस्या है। निगम के अमले ने ऐसे लोगों को पहले ही सूचना दे दी थी। युवक को ऐसा नहीं करना था। निगम प्रशासन को भी चाहिए कि ऐसे लोगों के लिए हॉक्स कॉर्नर बनाए जाएं ताकि उनका रोजगार न छीने।

आनंद नगर में दो मंदिरों से चोरी, दानपेटी से नकदी ले गए बदमाश

राम मंदिर से 25 से 30 हजार रुपए ले भाग चोर

आनंद नगर में गुप्ता कॉलोनी और अशोक विहार में दो मंदिरों से बदमाश नगदी चुराकर ले गए। गुप्ता कॉलोनी के राम मंदिर से बदमाश 25 से 30 हजार रुपए की नगदी चुराई है। वहीं अशोक विहार के शिव मंदिर से बदमाश दानपेटी ही चुराकर ले गए। दानपेटी में 8 से 10 हजार रुपए की नगदी थी। पिपलानी पुलिस ने दोनों ही प्रकरणों में चोरी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विशाल शर्मा (24) गुप्ता कालोनी, आनंद नगर में रहते हैं और कॉलेज के छात्र हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुप्ता कॉलोनी मे श्रीराम मंदिर है। मंदिर में राहुल पंडित पूजा करते हैं। 8 अप्रैल की रात करीब साढ़े 9 बजे मंदिर में आरती के बाद पंडितजी ने मंदिर बंद कर गेट पर ताला लगा दिया। 9 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे पंडितजी पूजा करने मंदिर पहुंचे। इस दौरान मंदिर के गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि दानपेटी का कुंदा उखड़ा हुआ है। पंडितजी ने विशाल शर्मा को घटना की जानकारी दी। वे मंदिर पहुंचे तो देखा कि अंदर रखी दानपेटी का कुंदा उखड़ा हुआ है और उसमें रखे दान के पैसे नहीं थे। दानपेटी में दान के करीब 25 से 30 हजार रुपए थे।

एक सप्ताह पहले ही शिव मंदिर का ताला तोड़ तानपेटी चुरा ले गए चोर

पुलिस ने बताया कि राजेश ठाकुर (45) न्यू अशोक विहार कॉलोनी, आनंद नगर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि अशोक विहार कॉलोनी मे सार्वजनिक शिव मंदिर हैं। 30 मार्च की रात 10 बजे मंदिर में आरती हुई और मंदिर बंद कर दिया गया। 31 मार्च की सुबह पौने छह बजे वह मंदिर गए तो ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि दानपेटी नहीं थी। दानपेटी में 8 से 10 हजार रुपए की नगदी थी।

रंजीत होटल के सामने बोट क्लब की घटना, आत्महत्या के कारण अज्ञात

कारोबारी के बेटे ने बड़े तालाब में कूदकर की आत्महत्या, सड़क पर खड़ी मिली स्कूटर

- *पुलिस को मृतक के पास से नहीं मिला सुसाइड नोट*
- *गोताखोरों ने करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद राहुल का शव पानी से बाहर निकाला*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

श्यामला हिल्स स्थित बोट क्लब, रंजीत होटल के सामने कारोबारी के बेटे ने बड़े तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली। वहां मौजूद लोगों ने उसे तालाब में छलांग लगाते देख पुलिस को सूचना दी। गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब तीस मिनट की मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाल लिया। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन से भी पूछताछ में आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका। पुलिस के अनुसार शिखर एवेन्यू एयरपोर्ट रोड निवासी नीलकंठ पराठकर की हमीदिया रोड पर इलेक्ट्रानिक्स की दुकान है। उनके दोनों बेटे दुकान पर कारोबार में हाथ बंटाते हैं। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे छोटा बेटा राहुल पराटकर अपनी स्कूटर से दुकान जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वह दुकान नहीं पहुंचा। करीब एक घंटे बाद पिता ने मोबाइल पर उससे कांटेक्ट करना चाहा, लेकिन वह मोबाइल घर पर ही छोड़कर निकला था। संपर्क नहीं होने पर परिजन को अनहोनी की आशंका हुई। उसकी तलाश की गई। तलाश करते हुए परिजन परिजन बोट क्लब तक पहुंच गए। वहां राहुल के तालाब में कूदकर आत्महत्या करने की जानकारी मिली। पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे सूचना मिली कि रंजीत होटल के सामने एक युवक ने बड़े तालाब में छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही पुलिस गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंची। करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद राहुल का शव पानी से बाहर निकाला जा सका। पुलिस को उसकी स्कूटर भी होटल के पास खड़ी मिली है।

सड़क किनारे मिली युवक की लाश, पास ही पड़ी मिली बाइक

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित तारासेवनिया-भगोनिया रोड पर शनिवार सुबह युवा किसान की संदिग्ध हालत में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। वह शुक्रवार दोपहर करोंद जाने का कहकर घर से निकला था। रात को उसकी परिजन से बात भी हुई थी। उसके बाद घर नहीं लौटा। सड़क पर ही युवक की बाइक भी पड़ी मिली है। पुलिस और परिजन का कहना है कि शरीर पर कहीं चोट के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि सड़क हादसे की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे। पुलिस के

अनुसार दोराहा जिला सीहोर निवासी आकाश गुर्जर (23) परिवार का इकलौता बेटा था और खेती-किसानी करता था। पिता की मौत के बाद से वह अपने मामा सुमेर सिंह के साथ रह रहा था। शुक्रवार दोपहर वह किसी काम का बोलकर करोंद जाने के लिए घर से निकला था। रात करीब साढ़े 8 बजे उसने घर पर कॉल भी किया था और कहा था कि मैं करोंद से घर आने के लिए निकल गया हूं। उसके बाद वह घर नहीं लौटा। शनिवार सुबह करीब नौ बजे पुलिस ने मामा सुमेर सिंह को कॉल कर सूचना दी कि आकाश गुर्जर यहां तारासेवनिया-भगोनिया रोड पर सड़क किनारे मृत हालत में पड़ा मिला है। मृतक के पास ही उसकी बाइक भी पड़ी मिली है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से मोबाइल मिला था। मोबाइल चार्ज करने के बाद सुमेर सिंह से बात कर घटना की सूचना दी गई। मामा सुमेर सिंह का कहना है कि आकाश के शरीर पर कहीं चोट के निशान नहीं मिले हैं। बाइक पर भी ऐसे निशान नहीं है जिससे किसी वाहन से टक्कर होने की संभावना व्यक्त की जा सके। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि मौत साइलेंट अटैक के चलते हुई हो। घटनास्थल पर चलती गाड़ी गिरने के निशान मिले हैं। शार्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

बेटे और पत्नी से परेशान बुजुर्ग ने तालाब में कूदने का किया प्रयास, गोताखोरों ने बचाया

भोपाल। तलैया स्थित बड़ा तालाब वीआईपी रोड पर शनिवार दोपहर 68 साल के बुजुर्ग ने बड़े तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि वह तालाब में कूदते इससे पहले ही नगर निगम के गोताखारों ने उन्हें रोक लिया। घटना की सूचना तलैया पुलिस को दी। बुजुर्ग के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने पत्नी और छोटे बेटे से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। पुलिस ने समझाइश देने के बाद बुजुर्ग को उनके घर परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार सूरज नगर नीलबड़ में रहने वाले 68 साल के बुजुर्ग शनिवार दोपहर आत्महत्या करने की नीयत से वीआईपी रोड पर पहुंचे। उन्होंने तालाब में कूदने के लिए रेलिंग पर चढ़ने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए गोताखोर मजहर खान और शेख आसिफ ने उन्हें रोक लिया। बावजूद इसके बुजुर्ग ने तालाब में कूदकर आत्महत्या की बात करते रहे। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और बुजुर्ग अपने साथ तलैया थाने ले आई। एसआई वायएस मांझी ने बताया कि चार लाइन का एक सुसाइड नोट बुजुर्ग के पास मिला है। उसमें उन्होंने अपनी पत्नी और छोटे बेटे को घटना का जिम्मेदार बताया है। उसमें लिखा है कि इनसे कठोरता से पूछताछ करने पर असलियत सामने आ जाएगी। पति-पत्नी और बेटे के बीच विवाद हुआ था। उसके बाद वह गुस्से में घर से निकल गए थे।

विद्युत मंडल पेंशनर्स कल्याण संघ के चुनाव संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पेंशनर्स कल्याण संघ भोपाल के संगठनात्मक चुनाव वार्षिक सम्मेलन के दौरान संपन्न हुए। मुख्य अतिथि जीवी पंडया, कार्यक्रम अध्यक्ष केके सक्सेना, विशिष्ट अतिथि केसी जैन, संगठन के मार्गदर्शक संरक्षक द्वय एचडी मोतीरमानी एवं पीके मिश्रा आदि वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम एवं निर्वाचन कार्य संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट बीके बक्शी ने निर्वाचन कार्य संपन्न कराया। प्रांतीय अध्यक्ष के पद पर वीके एस परिहार, प्रांतीय उपाध्यक्ष आरजे श्रीवास्तव, प्रांतीय महासचिव रमेश कुमार शर्मा, प्रांतीय संयुक्त सचिव आर विश्वनाथन अय्यर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार पंडित एवं कार्यकारिणी सदस्य पीसी मालवीय एवं आर सी दुबे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

कांग्रेस तैयार कर रही अपने उम्मीदवार

नगर परिषद के अध्यक्ष चुनाव को लेकर क्षेत्र में बढ़ी सरगर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

कांग्रेस नेताओं में नगर परिषद चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव को अभी 12 माह शेष हैं। कांग्रेस में चर्चा है कि अगर सामान्य वर्ग का आरक्षण होता है तो पूर्व ब्लाक अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश जैन सबसे दमदार प्रत्याशी होंगे। अगर सामान्य महिला वर्ग आरक्षण होती है तो उनकी पत्नी अर्चना जैन प्रत्याशी मानी जा रही हैं। वहीं अगर पिछड़ा वर्ग का आरक्षण होता है तो दुर्गेश यादव सबसे दमदार प्रत्याशी के रूप में उभर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग महिला आरक्षण होता है तो अर्चना यादव दमदार प्रत्याशी के रूप में सामने आ

महेश जैन

दुर्गेश यादव

अर्चना जैन

अर्चना यादव

रहीं हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार ने कहा कि आरक्षण होने के बाद कांग्रेस नगर को अच्छा, ईमानदार और सक्रिय प्रत्याशी देगी।

आधुनिकीकरण, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू की मिलेगी सुविधा

कस्तूरबा अस्पताल के नए भवन का भेल के कार्यकारी निदेशक उपाध्याय ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भोपाल स्थित कस्तूरबा चिकित्सालय के नए भवन का उद्घाटन शनिवार को मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, भेल भोपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में टीयू सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं राघवेंद्र शुक्ला, महाप्रबंधक (चिकित्सालय प्रशासन) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अन्य महाप्रबंधकगण, डीआरओ, प्लांट कमेटी एवं मेडिकल कमेटी के सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ. पोमिला सचदेवा, महाप्रबंधक एवं मुख्य चिकित्सा सेवाएं ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

नवीनीकरण कार्यों के अंतर्गत खंड 'अ' का आधुनिकीकरण, संयुक्त शल्य चिकित्सा वार्ड,

कस्तूरबा अस्पताल के नए भवन का उद्घाटन करते भेल के कार्यकारी निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय व अन्य।

आईसीयू, आकस्मिक निर्गम मार्ग तथा अन्य विभिन्न सुविधाओं का विकास किया गया है, जिससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार होगा। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उपाध्याय ने कहा कि अस्पताल की उन्नत सुविधाएं कर्मचारियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायक होंगी।

अब सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय रात्रि 8 बजे तक खुला रहेगा

संतनगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय प्रबंधन ने नेत्र रोगियों की सुविधा के लिए अब प्रतिदिन प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक अस्पताल की ओपीडी चालू रखने का निर्णय लिया है। सेसनेचि ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ ने कहा है कि अनेक लोगों ने समयाभाव और अस्पताल जल्दी बंद होने के कारण अपनी आंख का इलाज समय पर न करवा पाने की कठिनाई बताई थी। नेत्र रोगियों की इस कठिनाई का निराकरण करने के उद्देश्य से ही यह निर्णय लिया गया है। अब रविवार को भी ओपीडी प्रातः 10 से संध्या 4.30 बजे तक चालू रहेगी। रविवार के दिन पूर्वानुसार ऑपरेशन नहीं होंगे।

पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट तो पीड़िता पहुंची कमिश्नर कार्यालय

बिल्डर के बेटे ने जॉब देकर युवती से किया दुष्कर्म गर्भवती हुई तो डरा-धमकाकर गर्भपात भी कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बिल्डर के बेटे पर एक युवती ने दुष्कर्म और गर्भपात कराने का मामला सामने आया है। एमपी नगर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि रमन भूलचंदानी से वह नौकरी के लिए मिली थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे फर्म में नौकरी दी और दोस्ती बढ़ाई। इसके बाद युवती से शादी का प्रलोभन देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान वह गर्भवती हुई तो डरा-धमकाकर गर्भपात भी करवा दिया।

पुलिस के अनुसार पीड़िता मूलतः कानपुर (उप्र) की रहने वाली है। वर्तमान में वह कोलार थाना क्षेत्र में रहती है। उसने बताया कि 2 दिसंबर 2024 को उसकी मुलाकात आशियाना बिल्डर्स के ऑफिस में रमन भूलचंदानी से हुई थी। रमन ग्रुप के मालिक का बेटा है। कुछ ही दिन में दोनों की दोस्ती हुई और रमन पीड़िता को एमपीनगर स्थित एक होटल में ले गए, जहां उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद कई बार दोनों के बीच संबंध बने। इस दौरान तीन बार रमन ने जबरन उसका गर्भपात करवाया। रमन ने उसे शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में इंकार कर दिया। उसके परिजन ने भी इस बात को लेकर पीड़िता से अभद्रता की।

पीड़िता ने बताया कि वह सबसे पहले कोलार थाना गई। पुलिस ने उसे यहकर थाने से चलता कर दिया कि घटनास्थल हमारे थाना क्षेत्र का नहीं है। वह एमपी थाने पहुंची तो पुलिस ने आवेदन लेने से भी इंकार कर दिया। इसके बाद वह पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंची। वहां एसीपी को जांच के निर्देश दिए। कमिश्नर संजय कुमार के हस्तक्षेप के बाद एमपी नगर पुलिस सक्रिय हो सकी। इसके बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

नगर पालिका जल्द टेंडर जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी

आउटसोर्स सफाई कर्मचारी रखने से नगर की सफाई व्यवस्था होगी दुरुस्त

नगर पालिका मंडीदीप में सफाई कर्मियों के लिए प्रस्ताव पारित, आउटसोर्स कर्मचारी की होगी भर्ती

नपा में अभी 200 से अधिक सफाई कर्मचारी कार्यरत, फिर भी सफाई व्यवस्था ठप

- *आए दिन नगर में साफ-सफाई को लेकर कई वार्डों से मिल रही शिकायत*

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

नगर पालिका मंडीदीप में सफाई कर्मियों के लिए नपा ने अब प्रस्ताव पारित किया है कि जो भी सफाई कर्मी नगरीय क्षेत्र में साफ-सफाई का काम करेंगे अब उनकी भर्ती सीधे तौर पर नहीं होगी। उसके लिए अब आउटसोर्स कर्मचारी की भर्ती की जाएगी, जिससे नपा के 26 वार्डों में सफाई की चरमराई हुई व्यवस्था में सुधार

के लिए बड़ा कदम साबित होगा। नपा में अभी 200 से अधिक सफाई कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, परंतु आए दिन नगर में साफ-सफाई को लेकर कई वार्डों से शिकायत मिल रही है, जिसको लेकर परिषद ने इस प्रस्ताव को पारित किया।

घर बैठे कर्मचारी पर लगेगी लगाम

नपा में दो दर्जन से अधिक सफाई कर्मी घर बैठे पेमेंट ले रहे है, जिससे नपा को राजस्व का नुकसान हो रहा है और नगर में साफ-सफाई व्यवस्थित नहीं हो रही है, जिसको लेकर नपा में परिषद के द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया कि अब कर्मचारी आउटसोर्स भर्ती किए जाएंगे।

कर्मचारी यूनियन का भारी विरोध

वहीं जब से नपा में ये प्रस्ताव पारित हुआ है तब से कर्मचारी संगठन भारी विरोध में आ गया है, जिसमें नपा पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कर्मचारी के अहित की बात की जा रही है और शोषण का आरोप लगा रहे हैं।

काम न करने वाले कर्मचारी पर कसी जाएगी नकेल

नपा में परिषद ने सफाई कर्मियों के आउटसोर्च की भर्ती को लेकर प्रस्ताव पारित हुआ है, जिसमें घर बैठे कर्मचारी और काम न करने वाले कर्मचारी पर नकेल कसी जाएगी। नगर में साफ सफाई को लेकर आए दिन अलग-अलग वार्डों से शिकायत मिल रही थी, जिसको लेकर ये निर्णय और प्रस्ताव पारित हुआ है।

प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, नपा अध्यक्ष, मंडीदीप

रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर शुरू

शरीर शुद्धिकरण के साथ विचारों का भी होता है शुद्धिकरण: डॉ. गुलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर के शुभारंभ में विभिन्न स्थानों से कई साधकगण अपक्वाहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए थे। यहां शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई गई। इस अक्सर पर डॉक्टर गुलाब

टेवानी ने बताया कि अगर बीमारी से पूर्णतः निजात पाना है तो प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा। अगर आप स्वंय को बीमार महसूस करेंगे तो बीमार रहेंगे। इसलिए मन से यह सोचना है कि हम पूर्णतः स्वस्थ हो जाएंगे। शिविर में शरीर शुद्धिकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्धिकरण होता है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में की 3 रैलियां मुर्शिदाबाद में मुख्यमंत्री ममता पर बरसे

टीएमसी बन गई लेफ्ट की कार्बन कॉपी, बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही, घुसपैठियों की सरकार का अंत निकट

पीएम मोदी ने कहा कि जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी है और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा चुनाव जीत रही है। टीएमसी लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई है। पीएम ने कहा,जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगाया, भ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है। हथियारों, ड्रग्स और मवेशी तस्करी का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा। हम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

रैली के दौरान जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

शरणार्थियों को नागरिकता की गारंटी दी

पीएम मोदी ने यूसीसी लागू करने और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने का वादा किया है। मतुआ और नामशूद्र समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आप किसी टीएमसी नेता की दया पर यहां नहीं हैं, आपको भारत का संविधान सुरक्षा देता है।

टीएमसी ने किसानों का भविष्य बर्बाद किया

मुर्शिदाबाद के प्रसिद्ध सिल्क उद्योग पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की अनदेखी के कारण यहां के किसानों का भविष्य बर्बाद हो गया है। टीएमसी बंगाल के मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने पर तुली है, जिसे भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी।

भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र लाने का दावा

पीएम मोदी ने कहा कि यदि राज्य में भाजपा सरकार बनती है, तो पिछले 15 वर्षों के शासनकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। टीएमसी सरकार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घिरी हुई है।

आयुष्मान भारत योजना लागू करने का वादा

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का प्रस्ताव पहली कैबिनेट बैठक में पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

46 सेकंड के वीडियो में दिखाया बंगाल का 'मिजाज'

प्रधानमंत्री कटवा में जनसभा में उमड़ी भीड़ को देखकर उत्साहित हो गए अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। पीएम ने कहा कि रैलियों में उमड़ी भीड़ नतीजों की झलक है। बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। इससे बंगाल का मिजाज दिखाई दे रहा है।

शाह का ममता पर निशाना

भाजपा खत्म कर देगी टीएमसी का सिंडिकेट राज, अब 'बाय' कहने का समय

बांकुड़ा। बंगाल में चुनावी माहौल के बीच भाजपा ने एक बार फिर ममता सरकार पर बड़ा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांकुड़ा के ओंडा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो टीएमसी का सिंडिकेट राज खत्म कर दिया जाएगा। अब बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता जल्द फैसला करेगी। राज्य में हर काम के लिए लोगों को कटमनी देनी पड़ती है और सिंडिकेट के बिना कोई काम नहीं होता। भाजपा सरकार आने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों को सजा दी जाएगी। घुसपैठ पर कार्रवाई होगी।

आर्थिक मुद्दों और सप्लाई पर उठाए सवाल, हिसाब लेंगे

शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल से ओडिशा और झारखंड में आलू की सप्लाई रोक दी है। किसानों और व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। भाजपा सत्ता में हिसाब लिया जाएगा।

ममता ने भाजपा पर लगाए आरोप

मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने के सारे प्रयास किए जा रहे

मेदिनीपुर। सीएम ममता बेनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए दावा किया उनकी भवानीपुर सीट से उम्मीदवारी रद्द कराने की साजिश रची गई थी। मेदिनीपुर के केशियारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने कथित तौर पर चुनाव आयोग की मदद से उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश की।

90 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए

ममता ने भाजपा पर एसआईआर में 90 लाख मतदाताओं के नाम जबरन हटाने का आरोप भी लगाया। ममता के सामने सुवेंदु अधिकारी चुनाव लड़ रहे हैं। बेनर्जी ने कहा कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश कर भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने का प्रयास किया।

प्रचार के दौरान सीएम स्टालिन बोले

'तमिलनाडु बनाम दिल्ली' की लड़ाई विपक्ष एकजुट होकर भी नहीं जीत पाएगा

तमिलनाडु में सीएम एमके स्टालिन ने सत्तारूढ़ गठबंधन की व्यापक जीत का विश्वास जताया है। गठबंधन ने पहले 200 से अधिक सीटों पर जीत का

अनुमान लगाया था। स्टालिन ने कहा कि जनता के मौजूदा समर्थन और भारी भीड़ को देखते हुए अब सभी 234 सीटों पर जीत संभव लग रही है। 'तमिलनाडु बनाम दिल्ली' वाले बयान पर स्टालिन ने आरोप लगाया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुन्नेत्र कषगम 'दिल्ली के हाथों गिरवी रखा हुआ है' और उसका गुलाम बन गया है। लड़ाई तमिलनाडु और दिल्ली के बीच है।

खबर संक्षेप

कर्नाटक में खींचतान दिल्ली जाएंगे 20 'नेता'

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में हलचल बढ़ी है। कैबिनेट फेरबदल

की चर्चा के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस के 20 से ज्यादा वरिष्ठ विधायक दिल्ली जाने की तैयारी में हैं। यह अहम माना जा रहा है क्योंकि सरकार के 3साल पूरे हो चुके हैं और अब मंत्री पद को लेकर अंदरखाने हलचल बढ़ गई है। ये हाईकमान से मिलकर अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

पार्थ चटर्जी के घर ईडी ने की छापेमारी

कोलकाता। बंगाल में चुनाव की आहट के बीच ईडी ने भ्रष्टाचार के

खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। शनिवार सुबह केंद्रीय एजेंसी ने कोलकाता में दो अहम ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई की जद में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और जेल में बंद बिचौलिए प्रसन्न कुमार रॉय का दफ्तर आया है।

भुजबल का हेलिकॉप्टर हेलिपैड से चूका

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन

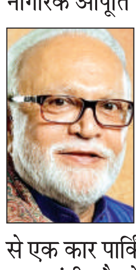

भुजबल एक बड़े हादसे के शिकार होने से बच गए। उनका पुणे में हेलीकॉप्टर अपने निर्धारित हेलीपैड के बजाय गलती से एक कार पार्किंग एरिया पर उतर गया। मंत्री और हेलीकॉप्टर के पायलट, सुरक्षित हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया कि इस पूरी घटना की जांच कराई जाएगी।

सीएआरआई बेंगलुरु को अंतरराष्ट्रीय मान्यता

बेंगलुरु। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु ने जैव

रसायन एवं रुधिर विज्ञान में आईएसओ 15189:2022 मान्यता प्राप्त कर अहम उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि इसे केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) का पहला संस्थान बनाती है जिसे वैश्विक मान्यता मिली है।

बिहार में मुख्यमंत्री के नाम पर हो रहा लगातार मंथन

नाम लगभग तय..., भाजपा का मुख्यमंत्री होगा,जदयू से निशांत समेत दो डिप्टी सीएम

जनता दल यूनाइटेड के सांसद रामप्रीत मंडल का बड़ा बयान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। नीतीश की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के सांसद रामप्रीत मंडल ने नई सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी का होगा, यह लगभग फाइनल हो चुका है। उन्होंने कहा कि जदयू से दो डिप्टी सीएम बनाए जाने हैं, जिनमें से एक नीतीश के बेटे निशांत कुमार का नाम भी करीब-करीब तय हो गया है। झंझारपुर से जदयू सांसद रामप्रीत मंडल ने शनिवार को एक चैनल से बातचीत में बिहार में नई एनडीए सरकार का यह फॉर्मूला बताया। उन्होंने कहा कि नया सीएम भाजपा से बनना तय है। अभी मुख्यमंत्री जदयू का है और भाजपा से दो डिप्टी सीएम हैं। नई सरकार में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा, तो जदयू से दो डिप्टी सीएम होने हैं। हालांकि, नई सरकार को लेकर अभी तक कोई औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है।

जल्द औपचारिक ऐलान होगा

नई सरकार पर नीतीश की पार्टी के सांसद ने कहा

जेडीयू सांसद रामप्रीत मंडल

निशांत कुमार ने भी की कई बैठकें

मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत ने एक महीने पहले ही राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले वह सक्रिय राजनीति से दूर ही थे। नीतीश के राज्यसभा चुनाव में नामांकन के बाद निशांत ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की थी। इसके बाद से वह पार्टी के क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं।

नीतीश जल्द देंगे इस्तीफा, फिर प्रक्रिया होगी शुरू

सीएम नीतीश कुमार जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं। वे राज्यसभा सांसद बन गए हैं। सत्ताधारी दलों के नेताओं का कहना है कि सीएम नीतीश के द्वारा एनडीए विधान मंडल की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें सभी के सामने नीतीश अपने इस्तीफे का औपचारिक ऐलान करेंगे। फिर राज्यपाल के पास जाकर अपना त्यागपत्र दे देंगे। इसके बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नए सीएम का चयन नीतीश के इस्तीफे के बाद होने वाली एनडीए विधायक दल की बैठक में होगा।

भाजपा से सीएम रेस में 5 नेता

सम्राट चौधरी: भाजपा से सीएम की रेस में सबसे पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का नाम चल रहा है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, मंत्री दिलीप जायसवाल, विधायक संजीव चौरिया, सांसद संजय जायसवाल, पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी का नाम भी रेस में है।

मैं सीएम की रेस में नहीं

सिर्फ मुख्यमंत्री बदलेगा कैबिनेट का स्वरूप नहीं

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने खुद को मुख्यमंत्री की रेस से बाहर कर दिया है। उन्होंने नई सरकार के स्वरूप पर भी अपडेट दिया है। केवल सीएम बदलेगा।

ये भी नाम सीएम की रेस में

विजय कुमार सिन्हा: वे 5 बार के विधायक हैं, भूमिहार समुदाय से हैं और संघ से गहरे संबंध हैं। सिन्हा अनुभवी नेता हैं, जिनमें स्थिरता है और संगठन का नाम ऊंचा किया है।

दिलीप जायसवाल: 20 साल तक भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष रहे। जुलाई 2024 से दिसंबर 2025 तक बिहार अध्यक्ष और सिक्किम का भी इंचार्ज संभाल चुके हैं।

नित्यानंद राय: हाजीपुर से 4 बार विधायक रह चुके। 2016-2019 तक बिहार भाजपा अध्यक्ष रहे। 2014, 2019 और 2024 में उजियारपुर से सांसद बने। 2019 से केंद्रीय मंत्री हैं।

मंगल पांडे: 1988 में संघ जॉइन की और 1998 में भाजपा में प्राथमिक सदस्य बने। 2013-2017 तक बिहार भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके।

सबसे ज्यादा श्रेयसी के नाम की अटकलें

सीएम बनने की लिस्ट में दो महिला उम्मीदवारों का नाम भी है। सबसे ज्यादा चर्चा खेल मंत्री और भाजपा नेता श्रेयसी सिंह की है। वे पूर्व सांसद दिग्विजय सिंह की बेटी हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाक की मध्यस्थता

केंद्र की कूटनीति को जयराम ने बताया विफल, उठाए सवाल

पाकिस्तान तो था पहलगाम हमले का आरोपी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति बहाली की उम्मीदों के बीच कांग्रेस ने भारत सरकार की कूटनीतिक विफलताओं पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि कैसे पाकिस्तान, जिसे अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा अलग-थलग करने के प्रयास किए गए थे, अब अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि अमेरिका-ईरान की बैठक इस्लामाबाद में शुरू हो रही है और पूरा विश्व, जिसमें भारत भी शामिल है, उम्मीद कर रहा है कि यह दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति प्रक्रिया की शुरुआत होगी, जो इजराइल की अपने पड़ोस में निरंतर आक्रामकता से पटरी से न उतरे।

विश्वगुरु' के 'कथन' पर किया कटाक्ष

कांग्रेस नेता जयराम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि यह स्थिति 'स्वयं-घोषित विश्वगुरु' पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यह समझा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने पहलगाम जैसे कायराना आतंकी हमले में अपनी भूमिका के बावजूद और भारत द्वारा उसे अलग-थलग करने के लिए की गई कूटनीतिक पहलों के बावजूद यह नई भूमिका कैसे हासिल कर ली। कांग्रेस ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान को अलग-थलग करने में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार की सफलता का भी उल्लेख किया और इसे एक विशेष रूप से विनाशकारी विफलता बताया।

नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' का किया जिक्र

उन्होंने सवाल उठाया कि लेकिन स्वयं-घोषित विश्वगुरु की हग्लमसी के सार और शैली पर गंभीर सवाल उठते हैं। पाकिस्तान ने अप्रैल 2025 के कायराना पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका और हमलों के बाद उसे अलग-थलग करने के लिए भारत द्वारा की गई कूटनीतिक संलग्नता के बावजूद अपने लिए एक नई भूमिका कैसे बना ली? जयराम ने पूछा मिस्टर मोदी और उनके समर्थकों के 'नमस्ते ट्रंप', 'हाउडी मोदी' और 'फिर एक बार ट्रंप सरकार' जैसे अभियानों के बाद भी भारत ने अमेरिका को पाकिस्तान को यह नई भूमिका देने की अनुमति कैसे दे दी?

मथुरा नाव हादसा

देवराहा बाबा आश्रम के पास 1 शव और मिला, 11 की मौत

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

यहां के केसीघाट और बंशीवट के बीच यमुना नदी में शुक्रवार को एक बड़ा

हादसा हुआ, जिसमें 37 श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पांटून पुल से टकराकर पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

मोटरबोट पुल से टकराई

यह हादसा तब हुआ जब लुधियाना, हिसार, मुक्तसर और जगरांव से आए श्रद्धालुओं का एक दल यमुना नदी की सैर कर रहा था। दोपहर के समय, केसीघाट और बंशीवट के बीच स्थित पांटून पुल के पास अचानक मोटरबोट लहराने लगी और पुल से जा टकराई। टक्कर के बाद नाव पलट गई, जिससे उसमें सवार श्रद्धालु यमुना के गहरे पानी में डूबने लगे।

दिल्ली के 6 फ्लाईओवर की बदलेगी सूरत, होंगे खूबसूरत

वॉकिंग ट्रैक व सेल्फी पॉइंट होंगे, रामायण की झलक दिखेगी

सीएम रेखा ने डालमिया ग्रुप, गोदरेज इंडस्ट्रीज आदि से किया एमओयू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल की घोषणा की

है। दिल्ली को सुंदर, स्वच्छ, संस्कृति और आधुनिकता से जोड़ना है। दिल्ली सरकार फ्लाईओवर की तस्वीर बदलने जा रही है। इसके तहत निजी कंपनियों को 6 फ्लाईओवर के नीचे की जगहों को साफ, व्यवस्थित और सुंदर सार्वजनिक स्थान में बदलने का काम किया जाएगा। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत डालमिया ग्रुप, गोदरेज इंडस्ट्रीज और ईजी माइ ट्रिप फाउंडेशन अब इस अभियान से जुड़ गए हैं।

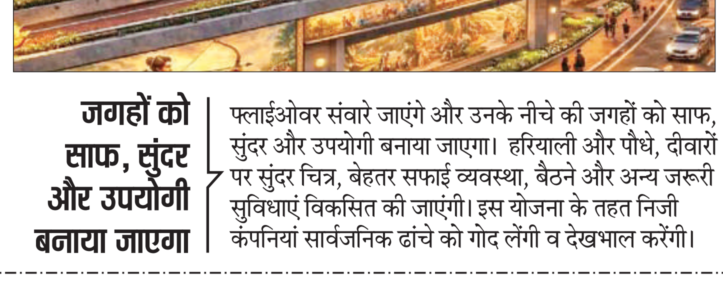

जगहों को साफ, सुंदर और उपयोगी बनाया जाएगा

फ्लाईओवर संवारे जाएंगे और उनके नीचे की जगहों को साफ, सुंदर और उपयोगी बनाया जाएगा। हरियाली और पौधे, दीवारों पर सुंदर चित्र, बेहतर सफाई व्यवस्था, बैठने और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस योजना के तहत निजी कंपनियां सार्वजनिक ढांचे को गोद लेंगी व देखभाल करेंगी।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने दी एक्स पर जानकारी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि अब दिल्ली के 6 फ्लाईओवर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने डालमिया ग्रुप, गोदरेज इंडस्ट्रीज औरीजी माइ ट्रिप फाउंडेशन के साथ एक एमओयू साइन किया है। इसके तहत मांगी सेतु पर रामायण की विजुवल झलक देखने को मिलेगी।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में बड़ा दावा

संघर्षविराम के बीच ईरान को नए एयर डिफेंस सिस्टम देने की तैयारी में चीन! तीसरे देशों के जरिए भेजेगा, बीजिंग ने किया रिपोर्ट का खंडन

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन द्वारा भेजे जाने वाले सिस्टम में मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हो सकते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के लिए चीन की यात्रा करने वाले हैं

चीन बोला- कभी भी संघर्ष के किसी भी पक्ष को हथियार नहीं दिए

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की खुफिया रिपोर्टों ने एक चौंकाने वाले खुलासे की ओर इशारा किया है, जिसके अनुसार चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नई वायु रक्षा प्रणालियां (एयर डिफेंस सिस्टम) भेजने की तैयारी कर रहा है। तीन खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुआ अस्थायी सीजफायर बेहद नाजुक स्थिति में है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन द्वारा भेजे जाने वाले सिस्टम में मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हो सकते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के लिए चीन की यात्रा करने वाले हैं। यह संभावित हथियार आपूर्ति इसलिए भी संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि चीन ने हाल ही में इस संघर्षविराम को कराने में भूमिका निभाने का दावा किया था।

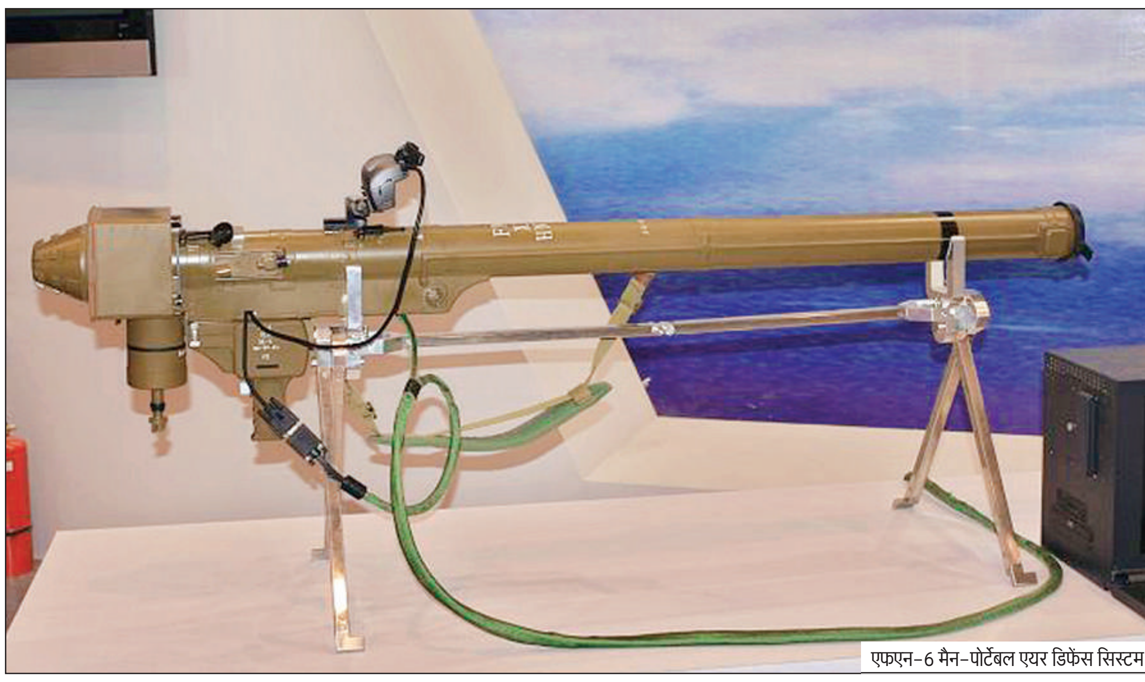

एफएन-6 मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

रिपोर्ट असत्यः चीन

वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि चीन ने कभी भी संघर्ष के किसी भी पक्ष को हथियार प्रदान नहीं किया है, रिपोर्ट में दी गई जानकारी असत्य है। उन्होंने आगे कहा कि एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, चीन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करता है। हम अमेरिकी पक्ष से निराधार आरोप लगाने, दुर्भावनापूर्ण संबंध जोड़ने और सनसनी फैलाने से बचने का आग्रह करते हैं। हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष तनाव कम करने में मदद करने के लिए और अधिक करेंगे। इससे पहले, दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा था कि अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से बीजिंग युद्धविराम कराने और संघर्ष समाप्त करने में मदद करने के लिए काम कर रहा था। बता दें, ईरान ने लंबे समय से चीन और रूस दोनों के साथ सैन्य और आर्थिक रिश्ते बनाए हैं। ईरान ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को शाहेद ड्रोन देकर बहुत मदद की है और चीन को अपने सैंक्शन किए गए तेल का बड़ा हिस्सा भी बेचता है।

दावाः मोजतबा खामेनेई के चेहरे पर गंभीर चोटें

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई को लेकर एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। इसके साथ ही उनके एक या दोनों पैरों के कटने की भी अटकलें है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई की स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। चोटों के बावजूद वह मानसिक रूप से सक्रिय बने हुए हैं। वे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग ले रहे हैं। युद्ध और अमेरिका के साथ बातचीत सहित प्रमुख मुद्दों पर निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

ये हैं चीन के मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

क्यूडब्ल्यू-18 मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम

चीन के प्रमुख मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम में एफए-6, एफएन-16,और क्यूडब्ल्यू-सीरिज (क्यूडब्ल्यू-18) शामिल हैं। ये कंधे से दागे जाने वाली तीसरी और चौथी पीढ़ी की मिसाइलें हैं, जो कम ऊंचाई वाले विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन को 6 किमी तक मार गिराने में सक्षम हैं। ये सिस्टम, विशेष रूप से एफएन-6, निर्यात के लिए लोकप्रिय हैं और विभिन्न देशों में सक्रिय हैं। चीनी मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम एनएन-6 जिसे फ्लाइंग क्रॉसबो-6 भी कहा जाता है तीसरी पीढ़ी का इंफ्रारेड होमिंग सिस्टम है, जो 3.8 किमी की अधिकतम ऊंचाई तक मार कर सकता है।

छह अरब डॉलर की संपत्ति अनफ्रीज करेगा अमेरिका

अमेरिका कतर में ईरान की छह अरब डॉलर की संपत्ति अनफ्रीज करने को तैयार हो गया है। ईरानी सूत्रों के अनुसार अमेरिका कतर और अन्य देशों में रखे ईरानी फंड को अनफ्रीज करने पर सहमत हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका कतर और अन्य विदेशी बैंकों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्ति को जारी करने पर सहमत हो गया है। एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे वाशिंगटन की ओर से समझौते तक पहुंचने की दिशा में 'गंभीरता' के संकेत के रूप में बताया है। यह कदम न केवल संकटग्रस्त ईरानी अर्थव्यवस्था के लिए राहत ला सकता है, बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के कूटनीतिक प्रयासों से भी सीधा जुड़ा हुआ है।

लेबनान का इजराइल पर ड्रोन हमला, बजे सायरन

इजराइली सेना ने बताया है कि लेबनान की ओर से एक ड्रोन घुसपैठ का पता चला है, जिसके बाद अरब अल-अरामशे और पश्चिमी गलील के कई शहरों में सायरन बजाए गए। पिछले कुछ दिनों से इजराइल और लेबनान के बीच सीमा पर लगातार संघर्ष और जवाबी हमले हो रहे हैं, जबकि दोनों पक्षों से संघर्षविराम की अपीलें भी की जा रही हैं।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागे कई रॉकेट

हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैनिकों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार, शनिवार तड़के करीब 1:40 बजे (स्थानीय समय) उसने टायर क्षेत्र के शामा कस्बे में एक घर में मौजूद इजराइली सैनिकों पर हमला किया। इसके अलावा, हिजबुल्लाह ने यह भी कहा कि उसने मध्यरात्रि के तुरंत बाद इजराइल के किर्यात शमोना, मेटुला और मिसगाव आम जैसे इलाकों पर रॉकेटों की बौछार की।

'जग विक्रम' ने होर्मुज स्ट्रेट किया पार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि भारत के झंडे वाला एलपीजी जहाज 'जग विक्रम' शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच इस होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा। शनिवार दोपहर को पूर्व की ओर बढ़ते हुए, जलडमरूमध्य के पूर्व में ओमान की खाड़ी में स्थित था। इस जहाज पर लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा है और इसमें 24 नाविक सवार हैं। इसके 15 अप्रैल 2026 को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है।

यूक्रेनी सेना ने ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिरायाः जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि ईरान युद्ध के दौरान यूक्रेनी सेना ने पश्चिम एशिया के कई देशों में ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिराया। उन्होंने कहा, ये अभियान एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत यूक्रेन अपने सहयोगी देशों को उन हथियारों से निपटने में मदद कर रहा है जिनका इस्तेमाल रूस उसके खिलाफ कर रहा है। राष्ट्रपति ने इन अभियानों की पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की, जिसे शुक्रवार तक सार्वजनिक नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यूक्रेनी बलों ने देश में विकसित और युद्ध में परखे गए इंटरसेप्टर ड्रोन का उपयोग करते हुए विदेशों में सक्रिय अभियानों में भाग लिया। ये इंटरसेप्टर ड्रोन यूक्रेन में रूस द्वारा इस्तेमाल ईरान-निर्मित ड्रोन का मुकाबला करने में कारगर साबित हुए हैं।

पेंटागन का खुलासा

युद्ध में अमेरिकी सैनिक पी गए 9.5 लाख गैलन कॉफी और 20 लाख एनर्जी ड्रिंक

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की एक ब्रीफिंग में ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिकी सैनिकों की खपत को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन कैन ने बताया कि इस सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों ने लगभग 9.5 लाख गैलन कॉफी पी। जनरल कैन ने कहा कि यह संघर्ष बेहद तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इसे बेहद कठिन और लगातार दबाव वाला ऑपरेशन बताया। कॉफी के अलावा, सैनिकों ने लगभग 20 लाख एनर्जी ड्रिंक भी पी, जिससे लगातार ऑपरेशन के दौरान उनकी सतर्कता बनी रहे।

बड़ी मात्रा में भोजन का सेवन किया

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैनिकों ने इस अवधि में लगभग 60 लाख भोजन का सेवन किया। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में निकोटिन उत्पादों की खपत भी दर्ज की गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि लंबे सैन्य अभियानों में केवल हथियार ही नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधन भी कितने महत्वपूर्ण होते हैं। पेंटागन ब्रीफिंग के दौरान जनरल कैन ने हल्के अंदाज में कहा कि वे यह नहीं कह रहे कि कोई समस्या है, जिस पर वहां मौजूद लोगों के बीच हल्की मुस्कान देखी गई। लेकिन उन्होंने साफ किया कि यह सैन्य अभियान बेहद कठिन परिस्थितियों में संचालित किया गया। उनके अनुसार, हालात गर्म, अराजक, अंधेरे और अनिश्चित थे।

होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों

दावाः अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है। ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है। बता दें, अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल कर होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगों का जाल बिछाया था।

आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था।

भारतीयों की नेकी के हम कायल, शुक्रियाः ईरान

भारत में ईरानी दूतावास ने ऐलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे।

खबर संक्षेप

रियल एस्टेट कंपनी पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में स्थित रियल एस्टेट कंपनी 'अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड' के खिलाफ छापेमारी के दौरान 6.3 करोड़ रुपए नकद और 7.5 करोड़ रुपए के आभूषण जब्त किए हैं। यह कंपनी घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रही है और वर्तमान में दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। कंपनी के दिल्ली और गुरुग्राम स्थित 10 परिसरों पर छापे मारे गए।

लद्दाख को आधार रिकार्ड में अलग पहचान मिली

लेह। जम्मू कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य से 2019 में पृथक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर सृजन के लगभग सात साल बाद लद्दाख ने आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। आधार में 'जम्मू कश्मीर' को हटकर अब 'लद्दाख' कर दिया गया है। जनता की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद पूरा किया गया।

मणिपुर में बीएसएफ कांस्टेबल की हत्या

उखरुल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को गश्त के दौरान बीएसएफ के एक कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कांस्टेबल मिथुन मंडल शाम करीब 4:30 बजे अज्ञात दिशा से चलाई गई गोली की चपेट में आ गए। पश्चिम बंगाल के भगजान टोला गांव निवासी मंडल को इंफाल के एक अस्पताल में ले जाया गया।

देश के लोगों के कल्याण, सुरक्षा के लिए जारी सरकार के प्रयासों के बारे में दी जानकारी

जयशंकर पहुंचे यूएई, भारतीय समुदाय से बातचीत संग की यात्रा की शुरुआत

संकट के समय देश की ऊर्जा की मांग को कूटनीति से सुलझाने की कर रहे कवायद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे अंतिम पड़ाव के रूप में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर शनिवार को खाड़ी के एक महत्वपूर्ण देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ मुलाकात की है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि यूएई की अपनी यात्रा का आगाज देश के नागरिक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर किया है। जिसमें मैंने उन्हें पश्चिम-एशिया संघर्ष के बीच उनकी भलाई और सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में अवगत कराया है। गौरतलब है कि युद्ध के बीच पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में भारत के कुल 1 करोड़ लोग रहते हैं।

पीएम के निर्देश पर हो रही यात्रा

बता दें, डॉ. जयशंकर की यह यूएई यात्रा दो दिवसीय होगी। जो 11 से 12 अप्रैल तक चलेगी। इसके पूर्व में उन्होंने 9 से 10 अप्रैल तक हिंद-महासागर क्षेत्र में स्थित भारत के एक अहम भागीदार देश मॉरीशस की यात्रा की थी। विदेश मंत्री के अलावा केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह ने भी खाड़ी क्षेत्र के भारत के जरूरी ऊर्जा साझेदार देश कतर का दौरा किया है।

बीते दिनों राजधानी में हुई प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि दोनों केंद्रीय मंत्रियों की खाड़ी की यह यात्राएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की जा रही हैं। जिसका उद्देश्य संकट के समय में देश की ऊर्जा, व्यापार और भारतीयों की सुरक्षा को हर हाल में चाक-चौबंद बनाए रखना है।

यूएई की सरकार का जताया आभार

जयशंकर ने पोस्ट के जरिए यह भी बताया कि युद्ध के जटिल हालातों के बीच स्थानीय समाज में भारतीयों के योगदान की सराहना की। इसके अलावा देश के लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए यूएई की सरकार द्वारा प्रदान किए गए समर्थन की भी प्रशंसा की है।

ईरान से आर्मेनिया होते भारत पहुंचे 312 मछुआरे

विदेश मंत्री ने एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में बताया कि ईरान से आर्मेनिया होते हुए 312 और मछुआरे सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं, आर्मेनिया की सरकार और मेरे मित्र विदेश मंत्री अरारात मिर्जोयान के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। बीते 4 अप्रैल को जयशंकर ने कहा था कि ईरान से आर्मेनिया होते हुए 345 भारतीय मछुआरों का पहला बैच सुरक्षित चेन्नई पहुंच गया है।

---

12 से 14 अप्रैल तक होगी विदेश सचिव की यह यात्रा

पश्चिम-एशिया तनाव के बीच आज से पेरिस,बर्लिन के दौरे पर मिसरी

चर्चा में शामिल होंगे ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में चल रही भयंकर लड़ाई के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी की लगातार की जा रही विदेश यात्राओं का सिलसिला जारी है। जिसमें अमेरिका के तुरंत बाद अब वह 12 से 14 अप्रैल तक यूरोप के दो महत्वपूर्ण देशों, फ्रांस की राजधानी पेरिस और जर्मनी की राजधानी बर्लिन का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दोनों देशों में मिस्त्री विदेश कार्यालय संबंधी मंत्रणा की सह-अध्यक्षता करेंगे। जिसमें फ्रांस में उनके साथ विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स शामिल होंगे। जबकि जर्मनी के संघीय विदेश कार्यालय के राज्य सचिव डॉ. गेजा एंड्रियास वॉन गेयर भी वार्ता में भाग लेंगे। चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों और साझा हितों से जुड़े मामले शामिल रहेंगे।

आपसी सहयोग को और गहरा करेंगे

मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों में होने वाली विदेश सचिव की उच्च-स्तरीय बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा करने के अलावा प्राथमिकता की सूची में शुमार मुख्य विषयों में सहयोग को और अधिक गहराई प्रदान करने की कोशिश की जाएगी। मौजूदा संकट के मध्य फ्रांस में विदेश कार्यालय से जुड़ी चर्चाओं में रक्षा, नागरिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर- डिजिटल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और दोनों देशों के आमजन के बीच आदान-प्रदान और सांस्कृतिक संबंधों जैसे मामले शामिल रहेंगे। जबकि जर्मनी में आपसी सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा-सुरक्षा, तकनीक, हरित ऊर्जा, विकास तथा सह-सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच संबंध का मामला मुख्य रूप से शामिल किया जाएगा। वहीं, समान हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी पेरिस और बर्लिन की वार्ताओं में विचार-विमर्श किया जाएगा।

---

16 अप्रैल को पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

5 दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे ऑस्ट्रिया के चांसलर स्टॉकर, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर 14 से 18 अप्रैल तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह उनकी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। वह पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे हैं। स्टॉकर के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जिसमें अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और पर्यटन से जुड़े मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापार जगत के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। पीएम मोदी और स्टॉकर के बीच होने वाली वार्ता में ऊर्जा, व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर विशेष फोकस रहेगा। 15 अप्रैल को चांसलर स्टॉकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। यह बैठक नई दिल्ली के होटल इम्पीरियल में होगी। 16 अप्रैल को वे राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा। उसी दिन शाम वे राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे।

क्या मध्यस्थता के नाम पर ईरान की पीठ में खंजर घोंप रहा पाकिस्तान?

सऊदी अरब के एयरबेस पर पाकिस्तान ने तैनात किए लड़ाकू विमान

मामले पर अभी तक भारत की तरफ से नहीं दी गई है कोई प्रतिक्रिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार का दिन मुख्य रूप से दो मामलों को लेकर चर्चा के केंद्र में रहा है। जिसमें से एक में संघर्षविराम को लेकर पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में युद्ध के बीच शांति स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के बीच वार्ता की शुरुआत हुई। तो वहीं, दूसरे में पाकिस्तान ने सऊदी-अरब के एक महत्वपूर्ण किंग अब्दुलअजीज एयरबेस पर अपने लड़ाकू विमानों और सैन्य टुकड़ी की तैनाती कर दी है। जिसे भारत के सैन्य और कूटनीतिक हलकों में पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता के नाम पर ईरान के साथ की जा रही धोखाधड़ी का नाम दिया जा रहा है। मामला बेहद संवेदनशील है। क्योंकि इससे समूचे क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य के साथ-साथ क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर भी प्रभाव पड़ेगा। जिसकी जद में गाहे-बगाहे नई दिल्ली भी आएगी। इन सबके बीच भारत की तरफ से इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पाकिस्तान के इस कदम के बाद सऊदी अरब से उसे वित्तीय मदद मिलेगी। जिससे वह दुनियाभर से लिए हुए अपने कर्ज के बोझ को कम करने की कोशिश करेगा।

ईरान युद्ध में इस्तेमाल पर 'मौन' सऊदी?

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की अपने एयरबेस पर की गई तैनाती के मायने समझाते हुए कहा कि इसके जरिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल को बेहतर बनाते हुए रणनीतिक तैयारियों को मजबूती प्रदान करना ही उद्देश्य है। लेकिन क्या इस एयरबेस का या फिर पाकिस्तान से आए लड़ाकू विमानों का ईरान में युद्ध से किसी भी तरह का कोई संबंध है या नहीं? इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब सऊदी बयान में नहीं दिया गया है।

रक्षा समझौता बना तैनाती का आधार

पाकिस्तान द्वारा खाड़ी देश में शनिवार को की गई लड़ाकू विमानों की तैनाती की पुष्टि सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में की है। जिसमें हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि पाकिस्तानी विमानों की कुल संख्या कितनी है। लेकिन पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और उनके साथ कुछ सैनिकों के दस्ते के पहुंचने की जानकारी दी गई है। जबकि पाकिस्तान ने इस संबंध में अब तक कुछ नहीं कहा है। दोनों देशों के बीच कुल करीब 75 साल बाद सितंबर-2025 में रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता हुआ था। जिस पर सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए। समझौते के बाद दोनों ने एक-दूसरे को सुरक्षा गारंटी दी हुई है। मिसाल के तौर पर पाकिस्तान या सऊदी अरब में से किसी पर भी दुनिया के किसी देश द्वारा हमला करने की स्थिति में दोनों देश उसे साझा रूप से अपने ऊपर किया गया हमला मानेंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इससे यह भी साफ हो जाता है कि सऊदी अरब पर हमले की स्थिति में उसे पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की मदद मिल सकती है। जबकि पाक के खिलाफ हमले के हालात में सऊदी अरब उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

विशेष: विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में है: पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तक: जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकार:** जमुना बीनी, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

श्रेयस-प्रभसिमरन-प्रियांश ने खेली तूफानी पारी

पंजाब किंग्स की जीत जारी, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेज किए 220 रन, 6 विकेट से पीटा

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 69 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स ने अय्यर (33 गेंद, पांच चौके, पांच छक्के), प्रियांश आर्य (57) और प्रभसिमरन सिंह (51) के अर्धशतकों से यह लक्ष्य 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स ने शानदार खेल जारी रखते हुए आईपीएल 2026 में तीसरी जीत हासिल की। यह पंजाब की चार मैच में तीसरी जीत है। उसका एक मैच बारिश से धुल गया था। वहीं हैदराबाद को चार मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

अय्यर जीत दिलाकर लौटे

हैदराबाद की वापसी की किसी भी उम्मीद को कप्तान श्रेयस अय्यर ने जगने नहीं दिया। उन्होंने एक छोर थाम लिया और जबरदस्त अर्धशतक बनाया। नेहाल वढ़ेरा (14) की खराब फॉर्म जारी रही। लेकिन अय्यर और शशांक ने मिलकर सात गेंद बाकी रहते टीम को आसान जीत दिला दी। शशांक 9 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की ओर से शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए।

प्रियांश और प्रभसिमरन ने की 99 रन की साझेदारी

प्रियांश और प्रभसिमरन की जोड़ी ने तूफानी बैटिंग करते हुए पंजाब को पावरप्ले में ही आगे कर दिया। इन दोनों ने 99 रन की साझेदारी की। हैदराबाद का कोई बॉलर इन पर अंकुश नहीं लगा सका. प्रियांश ने 20 गेंद में पांच छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 57 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन ने 25 गेंद में चार छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 51 रन बनाए। ये दोनों बल्लेबाज 18 रन के अंतराल में आउट हुए। तीसरे नंबर पर आए कूपर कोनोली 11 रन बना सके और सस्ते में निपट गए।

अभिषेक ने 254 के स्ट्राइक रेट से बनाए 74 रन

अभिषेक के बल्ले से पंजाब के खिलाफ 28 गेंदों पर 74 रन निकले और इस दौरान उन्होंने 8 छक्के व 5 चौके भी लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 254.29 का रहा। अभिषेक ने इस मैच में अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया और वो आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल 5वीं बार किया। इससे पहले इस लीग में 20 से कम गेंदों पर ऐसा कमाल 4 बार निकोलस पूरन कर चुके हैं और अब वो अभिषेक से नीचे यानी दूसरे नंबर पर आ गए। वैभव ने ऐसा इस लीग में अब तक 3 बार किया है और वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का अर्शदीप बो शशांक	74	28	5	8
ट्रेविस हेड का बार्टलेट बो शशांक	38	23	5	1
ईशान का यानसेन बो अर्शदीप	27	17	3	1
क्लासेन का कोनोली बो बार्टलेट	39	33	1	1
अनिकेत वर्मा रन आउट	18	9	1	1
अरोड़ा का बार्टलेट बो अर्शदीप	09	8	0	1
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	00	1	0	0
हर्ष दुबे नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल योग : 20 ओवर में 219/6 रन

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-50-2, बार्टलेट 4-0-42-1, यानसेन 4-0-40-0, विशाक 2-0-33-0, शशांक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0

पंजाब किंग्स :	रन	गेंद	4	6
प्रियांश आर्य का रेड्डी बो शिवांग	57	20	5	5
प्रभसिमरन का क्लासेन बो शिवांग	51	25	4	4
कोनोली का वर्मा बो शिवांग	11	12	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	69	33	5	5
नेहाल वढेरा बो हर्ष दुबे	14	14	0	1
शशांक सिंह नाबाद	16	10	1	1

अतिरिक्त : 05, कुल योग : 18.5 ओवर में 223/4 रन

गेंदबाजी : हर्ष दुबे 4-0-38-1, उनादकट 3-0-40-0, मलिंगा 3-0-46-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतिश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0

चेन्नई ने खोला जीत का खाता, दिल्ली को 23 रनों से हराया

सैमसन ने की गजब वापसी लगाया सीजन का पहला शतक

52 बॉल में सेंचुरी जड़कर बने प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

आईपीएल 2026 का 18वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। चेन्नई ने इस मुकाबले में दिल्ली को 23 रनों से हराया। चेन्नई के लिए यह इस सीजन की पहली जीत है।

वहीं आईपीएल 2026 के पहले तीन मैचों में फ्लॉप रहने के बाद संजू सैमसन ने गजब की वापसी की और इस लीग के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान संजू ने 52 बॉल में सेंचुरी ठोकी। संजू के आईपीएल कॅरियर का ये चौथा शतक रहा जबकि ये उनके टी20 क्रिकेट कॅरियर का 7वां शतक भी रहा। यह आईपीएल 2026 का पहला शतक भी है। अंत में सैमसन ने 56 गेंदों में 115 रन बनाए और सीएसके ने 20 ओवर में 212/2 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस टारगेट को हासिल नहीं कर पाई। उनकी टीम 20 ओवर बैटिंग करने के बाद 189 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस मैच में चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने शतक लगाया है। आयुष म्हात्रे ने 36 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से इस मैच ट्रिस्टन स्टब्स ने अर्धशतक लगाया। स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की पारी खेली। वहीं पथुम निसंका ने 24 बॉल 41 रन बनाए। चेन्नई के लिए जेमी ओवरटन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

संजू ने 52 गेंदों पर लगाया शतक

संजू सैमसन ने इस मैच में 52 गेंदों पर चौके के साथ शतक पूरा किया और आईपीएल में ये उनके कॅरियर का सबसे तेज शतक भी रहा। इस मुकाबले में संजू ने 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन की पारी खेली और इस दौरान उनके बल्ले से 4 छक्के और 15 चौके निकले जबकि उनका स्ट्राइक रेट 205.36 का रहा। संजू ने इस मैच में पहले विकेट के लिए ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर 62 रन जबकि दूसरे विकेट लिए आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 113 रन की साझेदारी की।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपरकिंग्स पारी	रन	गेंद	4	6
संजू सैमसन नाबाद	115	56	15	4
गायकवाड़ का निसंका बो अक्षर	15	18	1	0
आयुष महात्रे रिटायर्ड आउट	59	36	3	4
शिवम दुबे नाबाद	20	10	2	1

अतिरिक्त: 03, कुल योग : 212/2 रन

गेंदबाजी: नबी 2-0-17-0, मुकेश 4-0-37-0, अक्षर 4-0-39-1, नटराजन 4-0-54-0, एनगिड़ी 4-0-41-0, कुलदीप2-0-24-0

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
निसंका का ब्रेविस बो कंबोज	41	24	5	2
राहुल का ओवरटन बो खलील	18	10	2	1
रिजवी का बेविस बो ओवरटन	06	9	1	0
पटेल का सरफराज बो गुरजपनीत	01	2	0	0
डेविड मिलर बो ओवरटन	17	14	1	1
स्टब्स का नूर बो ओवरटन	60	38	4	3
आशुतोष का कंबोज बो नूर	19	10	1	2
औकिब का हुसैन बो ओवरटन	04	2	1	0
यादव का ब्रेविस बो कंबोज	04	7	0	0
एनगिडी का गुरजपनीत बो कंबोज	03	5	0	0
टी नटराजन नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त: 15, कुल योग: (20 ओवर में सभी आउट) 189 रन

गेंदबाजी: अकील हुसैन 2-0-20-0, खलील 3-0-40-1, कंबोज 4-0-35-3, गुरजपनीत 4-0-39-1, ओवरटन 4-0-18-4, नूर 3-0-36-1

खबर संक्षेप

मास्टर्स टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने से चूके भाटिया

आगस्टा। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया दूसरे दौर के आखिर में डबल बोगी करने के कारण मास्टर्स टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने से चूक गए। पीजीए टूर में तीन बार विजेता रह चुके 24 वर्षीय भाटिया ने पहले दौर में 73 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। उन्होंने 77 का कार्ड खेला और इस तरह से दो शॉट से कट से चूक गए। भारतीय मूल के ब्रिटिश खिलाड़ी आरोन राय ने दूसरे दौर में 74 का कार्ड खेला लेकिन इसके बावजूद वह कट में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने पहले दौर में 71 का स्कोर बनाया था। वह अब एक ओवर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 32वें स्थान पर हैं। वह पहले दौर के बाद संयुक्त 10वें स्थान पर थे।

15 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी काफी परिपक्व : भुवनेश्वर

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी की उम्र भले ही 15 साल हो लेकिन वह काफी परिपक्वता और स्पष्टता के साथ बल्लेबाजी करते हैं। भुवनेश्वर ने कहा,' जिस तरह से वह शॉट्स खेलता है, वह बाकायदा क्रिकेट शॉट होते हैं। 15 वर्ष की उम्र में वह काफी परिपक्व है। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, हमें उसे इसका श्रेय देना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि आरसीबी कभी भी पूरी तरह से दबाव में नहीं थी। उन्होंने कहा,' यह टी20 मैच है। वह युवा है और अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह परिपक्वता से बल्लेबाजी कर रहा है लेकिन हमें कभी भी यह नहीं लगा कि हम पर पूरी तरह से दबाव बन गया है। अगर एक 15 साल का लड़का इस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है तो यह 25 का भी हो, यह टी20 मैच में होता है।' उन्होंने कहा,' हमने रणनीति बनाई थी और एक कैच भी छूटा लेकिन यह क्रिकेट में होता है।

वानखेड़े में गरजेगी मुंबई, आरसीबी को देगी कड़ी टक्कर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ़ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरुआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। पांच बार की चैंपियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0.715) के साथ आठवें स्थान पर है।

नहीं चल पा रहे तिलक और सूर्या

रोहित शर्मा को कुछ समय के लिए आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। मैच टाइम कम रहने के बावजूद रोहित ने अब तक मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव नहीं चल पा रहे।सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है। गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे।

आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। कप्तान रजत पाटीदार (142) , विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है, जो भुवनेश्वर कुमार के साथ नई गेंद संभालेंगे।

आज शाम 7.30 बजे से रजत और हार्दिक की टीम में टक्कर

टीमें इस प्रकार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

मैच का समय : रात 7:30 बजे

बीजेकेसी

ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, बनाई फाइनल में जगह

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बनाई। ब्रिटेन ने शुक्रवार को दोनों एकल मैच जीत कर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी।

उसकी युगल जोड़ी हैरियट डार्ट और जोडी बुरेज ने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और एलेन पेरेज को 6-3, 6-4 से हराकर अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिलाई। एकल मैचों में शुक्रवार को 17 वर्षीय मीका स्टोजसावल्जेविच ने तालिया गिब्सन को 7-6 (4), 7-5 से और डार्ट ने किम्बर्ली बिरेल को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया की 17 वर्षीय खिलाड़ी एमर्सन जोन्स ने केटी स्वान को 7-5, 6-3 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया। बिली जीन किंग कप महिलाओं की टीम प्रतियोगिता है। इसे पहले फेड कप के नाम से जाना जाता था। इसका फाइनल्स सितंबर में शेन्ज़ेन में खेला जाएगा।

अंकिता की हार, भारत की विश्व ग्रुप प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म

अंकिता रैना की शनिवार को दक्षिण कोरिया की डेयोन बैक के हाथों सीधे सेटों में हार के साथ ही भारत की बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के विश्व ग्रुप के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें खत्म हो गई। भारतीय टीम दिन की शुरुआत में तालिका में चौथे स्थान पर थी और उसे शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए कोरिया पर 3-0 से जीत की जरुरत थी। कप्तान विशाल उप्पल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले की शुरुआत के लिए सबसे अनुभवी खिलाड़ी अंकिता को चुना, लेकिन डेयोन बैक ने यह मुकाबला जीत कर भारत की उम्मीद पर पानी फेर दिया। विश्व में 581वीं रैंकिंग की खिलाड़ी 33 वर्षीय अंकिता ने 343वीं रैंकिंग वाली कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट आसानी से गंवा दिया लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने कड़ी चुनौती पेश की।

आईकेआरः शीर्ष पर पहुंची 11 वर्षीय अतिका

लोनावाला। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्ज़रलैंड के जोल्टन कोइग्नी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी। अतिका का लक्ष्य फॉर्मूला वन में जगह बनाना है। किसी भी महिला रेसर ने 1992 के बाद फॉर्मूला वन में भाग नहीं लिया है।

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 13 गोल्ड

एजेंसी ▶▶| शिमला

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शनिवार को दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्ग में 13 स्वर्ण पदक जीतकर अपना वर्चस्व दबदबा साबित कर दिया। यह टूर्नामेंट एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर भी है। भारत के प्रियनुज भट्टाचार्य ने अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में हमवतन पुनीत बिस्वास को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। युगल में एमआर बालमुरुगन और मेहान सेंथिल ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के अबुल हसीब और नफीज इकबाल को हराकर खिताब अपने नाम किया।

आदित्य दास का शानदार प्रदर्शन

अंडर-15 लड़कों के वर्ग में आदित्य दास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में हमवतन खिलाड़ी अक्षय किरिकारा को हराया। युगल का खिताब भी भारत के ही पास रहा, जिसमें ऋषान चट्टोपाध्याय और आकाश राजवेलु ने नेपाल के खिलाफ पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। लड़कियों के वर्ग में जेनिफर वर्गीज ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अंडर-19 फाइनल में हमवतन अनन्या मुरलीधरन को हराया जबकि अंकोलिका चक्रवर्ती ने आहोना रे को पछाड़कर अंडर-15 का खिताब जीता। भारत ने लड़कियों के युगल के दोनों वर्ग में भी क्लीन स्वीप किया। मिश्रित युगल में भी भारत का दबदबा रहा।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिपः डिफेंडिंग चैंपियन वितिदसर्न को हराया

आयुष ने किया 60 साल का सूखा खत्म, फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ▶▶| निंगबो

भारत के आयुष शेट्टी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन कुन्लावत वितिदसर्न को शनिवार को तीन गेम के मुकाबले में हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21- 17 से जीत दर्ज की। वह दिनेश खन्ना के बाद इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए। खन्ना ने 1965 में पुरुष एकल स्वर्ण जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में खिताब जीता था।

आक्रामक शैली से कुन्लावत पर बनाया दबाव

अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन आयुष का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन या दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के शि यू की से होगा। भारत के पूर्व मुख्य कोच और 'सेंटर फॉर बैडमिंटन एक्सीलेंस' के निदेशक विमल कुमार ने बताया, 'आयुष ने स्थिति को अच्छी तरह से संभाला। ऐसा लगा कि उन्होंने अपनी आक्रामक शैली से कुन्लावत के दिमाग पर दबाव बना दिया और इसका चतुराई से फायदा उठाया।'उन्होंने कहा, 'दूसरा गेम जीतना बहुत अहम था। 20-14 के स्कोर पर आयुष शेट्टी पूरी तरह से नियंत्रण में लग रहे थे, लेकिन जब वितिदसर्न ने वापसी करते हुए स्कोर 20-19 कर दिया तो वह थोड़े चिंतित हो गए। ठीक उसी समय उन्होंने कुछ विशेष किया, जिससे वह गेम अपने नाम करने में कामयाब रहे।

बैकहैंड पर फ्लिक से आयुष ने बनाए छह अंक

वितिदसर्न ने शुरुआत में 4-0 की बढ़त बना ली। ब्रेक के समय स्कोर 11-5 था और पहला गेम उन्होंने आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में आयुष ने दमदार वापसी की और कूदकर स्मैश लगाते हुए 3-1 की बढ़त बनाई। यह जल्दी ही 7-1 की हो गई चूंकि वितिदसर्न ने कई सहज गलतियां की। ब्रेक के समय स्कोर 11-4 था। आयुष ने बीच में कुछ गलतियां की, जिससे वितिदसर्न ने 13-11 से वापसी की लेकिन जल्दी ही क्रॉसकोर्ट स्मैश से वापसी करते हुए स्कोर 16-11 कर लिया।